नवंबर 2025

₹ 20

समाजवादी बुलेटिन

R.N.I. No. 68832/97

गरीबों-किसानों की आवाज बनना राजनीतिक दलों का कर्तव्य ही नहीं बल्कि धर्म है। गरीबों-किसानों से जुड़ा रहने वाला ही राजनीति में सफल होता है। देश की तरक्की के लिए जरूरी है कि विपक्ष मजबूत व ताकतवर हो। जब विपक्ष मजबूत होगा तो सरकारें सही राह पर चलेंगी।

मुलायम सिंह यादव
संस्थापक, समाजवादी पार्टी

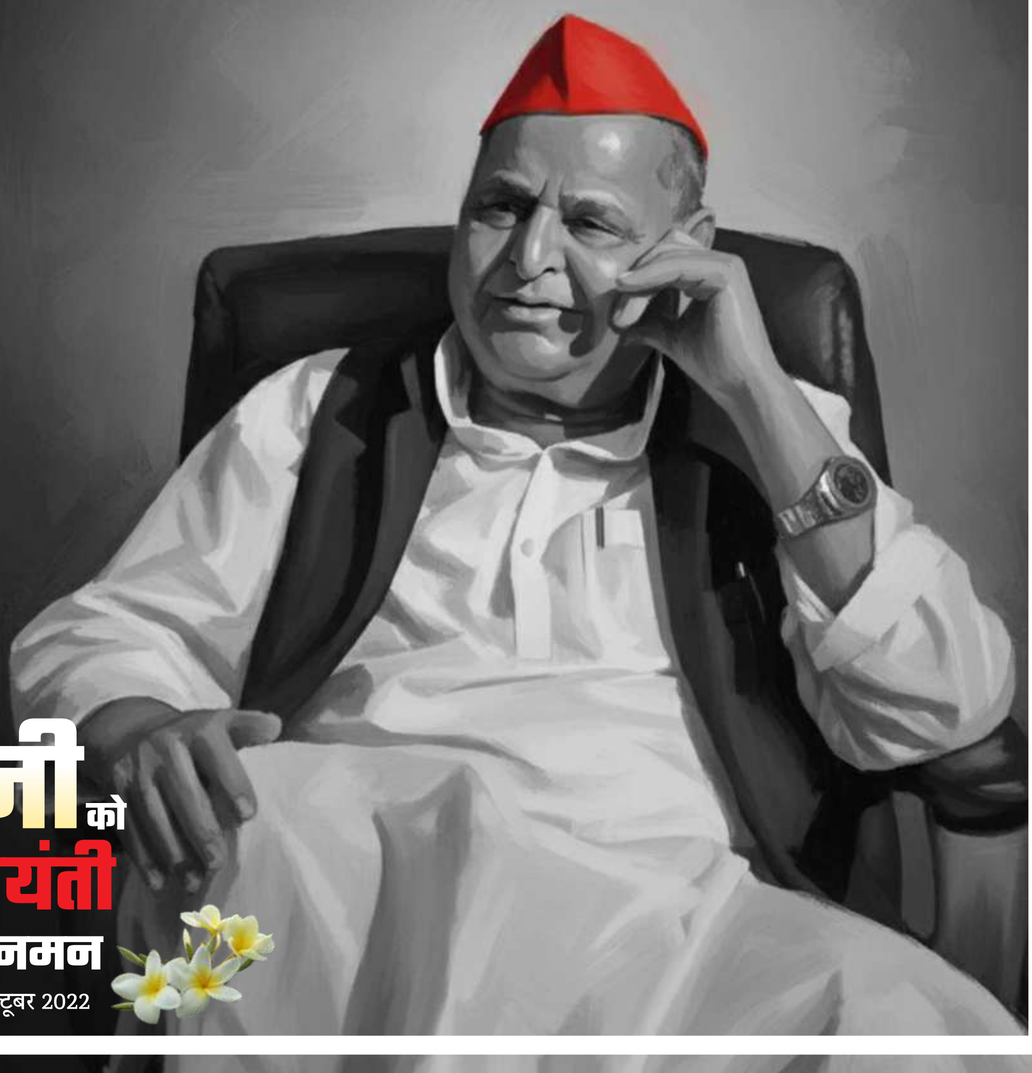

धरतीपुत्र

नेताजी को 86 वीं जयंती पर शत शत नमन

22 नवंबर 1939 - 10 अक्टूबर 2022

समाजवादी बुलेटिन
नवंबर 2025
वर्ष 27 | संख्या 01

अंदर

विपक्ष के सबसे मजबूत साथी बनकर उभरे अखिलेश 26

12 कवर स्टोरी

लोकतंत्र के राही
SIR पीडीए प्रहरी

युवाओं को बेहतरी की राह
दिखाएगा विजन इंडिया

04

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव के देश को आगे ले जाने की दूरदृष्टि, स्पष्ट नजरिया और बेहतरीन सोच को अमलीजामा पहनाने के पवित्र इरादे से 16 नवंबर को स्टार्टअप के हब बंगलुरु में विजन इंडिया प्लान, डेवलप, एसेंट का बिगुल बज गया।

अखिलेश को देखने की ललक 32
अखिलेश ने मनाया खजांची का जन्मदिन 42

PDA काव्य विचार

दलितों व पिछड़ों की उम्मीद,
अल्पसंख्यकों का विश्वास है।
आर्थिक गैरबराबरी के खिलाफ
पीडिए मात्र नारा नहीं इंकलाब है॥
भीमराव अंबेडकर का मिशन,
मंडल का दिखाया ख्वाब है॥
सामाजिक गैरबराबरी के खिलाफ,
पीडीए मात्र सूत्र नहीं इंकलाब है॥

प्रकाश यादव
ललितपुर, उत्तर प्रदेश

प्रिय पाठकों,

PDA काव्य विचार के लिए आपकी स्वरचित लघु कविता का स्वागत है। केवल उन्हीं लघु कविताओं पर विचार किया जाएगा जो PDA केन्द्रित, सुस्पष्ट, मौलिक, न्यूनतम 4 से 6 लाइनों में टाइपशुदा होंगी। अपनी लघु कविता ईमेल teamsbeditorial@gmail.com पर अपने नाम और पते के साथ भेजें।

प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक
प्रोफेसर रामगोपाल यादव
☎ 0522 - 2235454
samajwadibulletin19@gmail.com
bulletinsamajwadi@gmail.com
Mob:- 9598909095
/samajwadiparty

समाजवादी पार्टी के लिए
19, विक्रमादित्य मार्ग, लखनऊ से प्रकाशित
अवध पब्लिशिंग हाउस, 8 पान दरीबा, लखनऊ से मुद्रित
R.N.I. No. 68832/97

युवाओं को बेहतरी की राह दिखाएगा विजन इंडिया

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव के देश को आगे ले जाने की दूरदृष्टि, स्पष्ट नजरिया और बेहतरीन सोच को अमलीजामा पहनाने के पवित्र इरादे से 16 नवंबर को स्टार्टअप के हब बंगलुरु में विजन इंडिया प्लान, डेवलप, एसेंट का बिगुल बज गया।

विजन इंडिया प्लान, डेवलप, एसेंट कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए श्री अखिलेश यादव ने कहा कि आज की भाजपा सरकार हमारी हिन्दुस्तानियत पर संकट पैदा कर रही है।

विजन इंडिया के कार्यक्रम में श्री अखिलेश यादव ने विस्तार से इसकी जरूरत पर प्रकाश डालते हुए सवालों के विस्तार से जवाब दिए और बताया कि विजन इंडिया का मकसद बिल्कुल स्पष्ट है। मकसद भेदभाव, गैर बराबरी मिटाना, प्रगतिशील बने रहते हुए और रूढ़िवादी सोच से बचाते हुए युवाओं को बेहतरीन राह दिखाना है। नकारात्मकता को त्याग कर सकारात्मक दिशा में काम करना ही विजन इंडिया का उद्देश्य है।

विजन इंडिया को विस्तार से समझाते हुए श्री अखिलेश यादव ने कहा कि देश में आपातकाल जैसा माहौल है। देखा जा रहा है, देश के लोगों पर एक एकरंगी विचारधारा थोपी जा रही है। इस तरह से थोपा जा रहा है कि उन चीजों के बारे में लोगों को बहस

करनी पड़ रही है।

उन बातों पर घरों में बैठकर चर्चा कर रहे हैं, सोच रहे हैं। ऐसी बातों की पहले कभी चर्चा नहीं थी जिनकी आज होती है। उन्होंने कहा कि भारत की पहचान विविधता रही है। हम सभी भारतीय एक हैं। सबको एक साथ जोड़कर रखना है। एकरूपता लाने की जरूरत है।

कार्यक्रम में सवालों का जवाब देते हुए श्री यादव ने कहा कि जिन बातों की पहले चर्चा नहीं होती थी, उन्हें अब राजनीति में लाया जा रहा है। जिससे दूरियां पैदा हो रही हैं। आज जो समाज में नकारात्मकता फैलाई जा रही है, उसे काउन्टर करना है। हमारा विजन इंडिया पॉजिटिव है। यह नकारात्मकता को काउन्टर करता है। वहीं जब प्रैगमेटिंग की बात करते हैं तो जहां हम विकासशील देश हैं वहीं हमारी सीमाएं हैं। हम दायरे में काम करें। हम प्रोग्रेसिव बात कर रहे हैं, उसका मतलब प्रगतिशील बने रहना है। लोगों को रूढ़िवादी सोच से दूर ले जाना है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि हमारे विजन इंडिया का मकसद है कि हम एकजुटता लाएं। अपनी हिन्दुस्तानियत को पहचानें। विविधता में एकता की अपनी पहचान को लेकर आगे बढ़ें। हमारी कोशिश है कि सभी लोग प्रोगेसिव हों। पॉजिटिव हों और सबको एक साथ लेकर चलने की बात करें। राजनीतिक तौर पर हम सभी लोग बहुत बातें करते हैं लेकिन जो प्लान डेवलपमेंट एसेन्ट विजन इंडिया को लेकर चल रहे हैं इसमें पॉजिटिव का मतलब है, भेदभाव को मिटाना। बराबरी का मौका देना। उसी से गैरबराबरी को दूर किया जा सकता है। इन्क्लूसिव का मतलब है जो आखिरी व्यक्ति है उसको साथ लेकर चलें। जो पिछड़ापन है और जो पिछड़ेपन के शिकार हुए हैं उसे कैसे दूर किया जाए। समाज में जिन लोगों का दमन हुआ है, महिलाओं के साथ जो भेदभाव का व्यवहार होता है, किसान-मजदूर और बेरोजगार युवा हैं, उन सभी को को आगे बढ़ाने के लिए हम इन्क्लूसिव की बात कर रहे हैं।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि आज का युवा पॉजिटिव सोचता है। युवा दुनिया को जोड़ने के बारे में सोचता है। उन्होंने कहा कि हमने विजन इंडिया के लिए बंगलुरु को इसलिए चुना क्योंकि बंगलुरु स्टार्टअप इंडिया का हब है। बंगलुरु से हमें बहुत कुछ सीखने का मौका मिला। हमने सोचा कि विजन इंडिया का बड़ा काम, नया काम हम बंगलुरु से शुरू करें। प्लान डेवलप की बात बंगलुरु से की जाए।

उन्होंने कहा कि विकासशील देश में स्टार्टअप और विकास के लिए बहुत मुश्किले हैं। देश के अन्दर बहुत समस्याएं हैं लेकिन स्टार्टअप पॉजिटिव रास्ता है। 2016

में सबसे पहले स्टार्टअप नीति समाजवादी सरकार ने उत्तर प्रदेश में बनाई। उसके लिए बजट का प्राविधान किया। अधिकारियों की टीम बनाई गई। उस समय के चीफ सेक्रेटरी आलोक रंजन ने उसे आगे बढ़ाया।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि अपनी मुश्किलों और कमियों के रास्ते खुद तलाशने होते हैं। उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार के दौरान विकास कार्यों में आने वाली बाधाओं को हमने दूर किया। अगर विश्वस्तरीय इन्फ्रास्ट्रक्चर बनाना है और काम करना है तो उस दिशा में सोचना होगा।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि उनका मानना है कि नौजवान को हर मुश्किल और समस्या का समाधान खोजना चाहिए। स्टार्टअप के लिए तैयार रहना चाहिए।

श्री यादव ने कहा कि हमारे विजन इंडिया का मकसद यूपी के शहरों में बंगलुरु जैसा इकोसिस्टम विकसित करना है, उसी तरह की सुविधाएं देना है। हमने लखनऊ में आईटी सिटी बनाई। आज हजारों युवा वहां काम कर रहे हैं। हम ऐसा काम करेंगे जिससे यूपी के युवाओं को उत्तर प्रदेश में नौकरी और काम मिले। इसके लिए नीति बनाएंगे। उसी तरफ सरकार का फोकस होगा।

श्री अखिलेश यादव ने यूपी में छात्रों को 20 लाख लैपटॉप वितरण के सवाल पर कहा कि दुनिया के कई विकासशील देशों में राजनीतिक दल और सरकारें डिजिटल डिवाइड की बात करती हैं। यहां पहले से ही बहुत भेदभाव है। हम इन्क्लूसिव की बात करते हैं। हमने सोचा कि अगर यूपी के बच्चों को लैपटॉप मिल जाए तो यूपी में डिजिटल डिवाइड कम होगा।

लैपटॉप वितरण की अलग ही तरह की कहानियां हैं। जो लैपटॉप दिया था, वे दस साल बाद भी चल रहे हैं। कई युवाओं ने बताया कि इसी लैपटॉप से पढ़ाई की और अब नौकरी कर रहे हैं। एचपी कम्पनी के कई लोग आए और वितरण के बारे में देखा। उनके लिए भी आश्चर्य की बात थी कि लाखों लैपटॉप का सही वितरण हुआ। कई बच्चे हार्वर्ड विश्वविद्यालय भी पढ़ने गए और हम लोगों को धन्यवाद दिया।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि आज का युवा अच्छी पढ़ाई और उसके बाद नौकरी चाहता है। स्टार्टअप ही मौका देगा। नौजवान को नौकरी और रोजगार चाहिए। सम्मान चाहिए। यूपी सबसे बड़ा राज्य है। सबसे ज्यादा काम चाहिए। यूपी को सबसे ज्यादा नौकरी चाहिए।

P प्लान-D डेवलपमेंट-A एसेन्ट की खास बातें

- एकजुटता के साथ अपनी हिन्दुस्तानियत को पहचानना
- विविधता में एकता की अपनी पहचान को लेकर आगे बढ़ना
- भेदभाव को मिटाते हुए अंतिम व्यक्ति को भी बराबरी का मौका देना
- पिछड़ापन दूर करने के लिए सुझाव लेकर नीति बनाना
- महिलाओं के साथ भेदभाव को खत्म कर उन्हें आगे बढ़ाना
- किसान, युवा, महिला, व्यापारी आदि का दमन रोकना
- किसान-मजदूर और बेरोजगार युवा की मुश्किलों का समाधान तलाश करना
- यूपी के शहरों में बंगलुरु जैसा इकोसिस्टम विकसित करते हुए सुविधाएं देना
- विश्वस्तरीय इन्फ्रास्ट्रक्चर की दिशा में काम करना

ये किया है

- लखनऊ में आईटी सिटी बनाई, जहां हजारों युवा वहां काम कर रहे हैं
- 20 लाख लैपटॉप वितरण कर डिजिटल डिवाइड रोका
- लैपटॉप का सही वितरण, 10 साल से काम कर रहे लैपटॉप
- समाजवादी सरकार में मंडियों, कृषि उत्पादकता, फूड प्रोसेसिंग बेहतर बनाई
- विश्वस्तरीय इन्फ्रास्ट्रक्चर की दिशा में काम करते हुए उदाहरण पेश किए

ये करेंगे

- यूपी के युवाओं को उत्तर प्रदेश में नौकरी और काम दिलाने के नीति
- स्टार्टअप के जरिये नौजवान को नौकरी और रोजगार मुहैया कराना
- कृषि मंडी, मार्केटिंग में काम करेंगे
- कृषि उत्पादकता, फूड प्रोसेसिंग, मंडी मॉर्डनाइज क्षेत्र को बेहतर बनाना
- युवाओं को सपोर्ट, सरकार के स्तर पर नीति बनाना
- विजन इंडिया से मिले सुझावों के अनुसार नीति बनाना
- नीति बनाकर युवाओं का जोड़ना, युवाओं को भविष्य बनाने का मौका देना

श्री यादव ने कहा कि उत्तर प्रदेश में कृषि क्षेत्र और स्टार्टअप में बहुत काम हो सकता है। कृषि क्षेत्र बहुत बड़ा है। कृषि मंडी, मार्केटिंग में बहुत काम करने की जरूरत है। समाजवादी सरकार में मंडियों पर काफी काम हुआ। कृषि उत्पादकता, फूड प्रोसेसिंग, मंडी मॉर्डनाइज के क्षेत्र में काम हो तो और बेहतर हो सकता है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि उत्तर प्रदेश में कई स्किल पर काम करने की जरूरत है। उदाहरण के तौर पर कन्नौज का परफ्यूम का नाम और एसेंस पूरी दुनिया में मशहूर है। परफ्यूमरी का ऐसा काम है। जिससे सीधे किसान को लाभ होता है।

श्री यादव ने कहा आज के युवाओं को सपोर्ट की जरूरत है। सरकार के लेबल पर नीति बनानी पड़ेगी। हमारे विजन इंडिया का मकसद है जगह-जगह पर इस कार्यक्रम से जो सुझाव मिलेंगे उसे हम अपनी नीति में शामिल करेंगे। नौजवानों के लिए संदेश है। हर सॉल्यूशन एक स्टार्टअप है। सरकार और सरकार के लोग पॉलिसी बनाकर आएंगे तो युवा जुड़ेगा। इससे प्रदेश को फायदा होगा। नौजवानों को अपना भविष्य बनाने का मौका मिलेगा।

विजन इंडिया स्टार्टअप समिट कार्यक्रम के मुख्य संयोजक पूर्व कैबिनेट मंत्री श्री अभिषेक मिश्र और मुख्य समन्वयक श्री राजीव राय सांसद संचालक रहे। विजन इंडिया स्टार्टअप समिट चर्चा में यूपी के पूर्व मुख्य सचिव श्री आलोक रंजन, श्री किरण हेगड़े मुख्य रूप से शामिल हुए।

नेताजी

नए दौर की समाजवादी राजनीति के प्रणेता

समाजवादी पार्टी के संस्थापक, धरती पुत्र मुलायम सिंह यादव ने उत्तर प्रदेश की राजनीति को नया आयाम दिया था। समाजवादी पार्टी के प्रेरणा स्रोत नेताजी श्री मुलायम सिंह जी ने सामाजिक न्याय सुनिश्चित करने को सियासत और शासन का केंद्र बिंदु बनाया था। 22 नवंबर को उनकी 86 वीं जयंती के अवसर पर प्रस्तुत है यह ***विशेष लेख:***

फाइल फोटो

मधुकर त्रिवेदी
वरिष्ठ पत्रकार

राजनीति में नेताजी मुलायम सिंह यादव की एक अलग पहचान बनी क्योंकि वह अतीत की समाजवादी राजनीति से आगे बढ़कर नए तरह की समाजवादी राजनीतिक रणनीति के प्रणेता बने।

इस रणनीति में केवल पिछड़ों को गोलबंद करना ही नहीं वरन पहली बार सफलतापूर्वक वंचित एवं उपेक्षित जातियों को अल्पसंख्यकों से जोड़ने का साहस और कुशलता दिखाई देती है। यह लोहिया और अंबेडकर की शैली की राजनीति थी जिसमें कहीं-कहीं जातिगत प्रधानता दिखाई पड़ती है पर इसके मूल में दलित वर्ग की राजनीति की ऊर्ध्वमुखी चेतना ही है।

एक नई बौद्धिकता के साथ नई राजनीतिक व्यवहारिकता भी सामने आई। जिन तबकों और वर्गों को नेताजी मुलायम सिंह ने जोड़ने की कोशिश की, उनके आपसी सामाजिक और राजनीतिक अंतर्विरोधों को शत्रुता से मित्रता में बदल कर हल करना एक बहुत बड़ी जिम्मेदारी थी।

नेताजी मुलायम सिंह को इसका एहसास था। शायद इसीलिए उन्होंने इस बात पर बल दिया था कि जहां पिछड़े और दलित मजबूत हैं, वहां गैर पिछड़े और गैर दलित स्वयं को दमित न महसूस करें तभी समाज परिवर्तन का सपना साकार होगा।

एक कुशल रणनीतिज्ञ की भूमिका में भी वे खरा उतरते हैं। संघर्ष और रचना का जो पाठ डॉ. लोहिया ने पढ़ाया था उसे मुलायम सिंह जी ने आत्मसात करने में देर नहीं की।

नेताजी मुलायम सिंह को अपने जीवन में न केवल कांग्रेस अपितु भाजपा और कुछ हद तक मीडिया से भी टकराना पड़ा था। बाबरी मस्जिद ध्वंस के बाद पिछड़ा मुसलमान एकता से दलितों को जोड़ने के मकसद से मुलायम सिंह ने बसपा को साथ लेने का जोखिम उठाया।

यद्यपि बाद में भाजपा ने बसपा को तोड़ने में सफलता हासिल कर ली। लोकसभा में नेताजी ने सीधे भाजपा से टक्कर ली, अटल जी को निशाने पर लिया। उन्होंने कहा 'अटल नाम से ही अटल हैं, वे अपनी बात पर अटल नहीं रहते।'

प्रदेश की राजनीति में अपनी जड़े मजबूत करने के साथ मुलायम सिंह जी ने राष्ट्रीय मुद्दों की राजनीति पर भी अपनी गहरी पकड़ प्रदर्शित की थी। लोहिया के समाजवादी चिंतन के अनुयायी होने के कारण उनकी दृष्टि पहले से ही राष्ट्रीय थी। उन्होंने समाजवाद, भारतीय भाषाओं और सांप्रदायिकता विरोधी संघर्ष के मुद्दे उठाए। बाबरी मस्जिद को कारसेवकों से बचाने में वे राष्ट्रीय ही नहीं, अंतरराष्ट्रीय मीडिया की निगाहों में भी चढ़ गए थे।

श्री मुलायम सिंह यादव डॉ. राममनोहर लोहिया के लोकभाषा, लोकपरिधान और लोकभवन के आग्रह को पूर्णतया मानते थे। खुद उनका परिधान शुद्ध भारतीय था। धोती, कुर्ता, सदरी। पाश्चात्य के बजाय उन्होंने देशज शैली के मकान बनवाए।

वह यह भी मानते थे कि भारत की प्रतिभा के उजागर न होने के पीछे अंग्रेजी का प्रभुत्व रहा है। आजादी के बाद कांग्रेस 45 वर्ष तक सत्तारूढ़ रही। उसका अंग्रेजी मोह हर स्तर पर बना रहा। इसका नतीजा यह हुआ कि जहां अन्य भारतीय भाषाओं का विकास रुक गया, हिन्दी राष्ट्रभाषा नहीं बन सकी, वहीं जनसामान्य और प्रशासन के बीच खाई बन गई।

नेताजी मानते थे कि यदि आर्थिक विकास से व्यक्ति का जीवन स्तर सुधरता है तो भाषा और संस्कृति से उसकी प्रतिभा का प्राकट्य होता है। अंग्रेजी एक विदेशी भाषा है, सभी प्रगतिशील देशों ने अपनी भाषाओं को मान्यता दे रखी है। लोकभाषाओं का विकास ही राष्ट्रीय प्रगति, समाजवाद और लोकतांत्रिक विकास का सच्चा रास्ता है।

नेताजी हाफ मैराथन दौड़
अखिलेश ने लांच की टी शर्ट

बुलेटिन ब्यूरो

नेताजी मुलायम सिंह यादव की स्मृति में बलिया में जनसंवाद समन्वय की ओर से 25 नवंबर 2025 को नेताजी मुलायम सिंह यादव हाफ मैराथन दौड़ 21.1 किलोमीटर का आयोजन होगा। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने 12 नवंबर को इस आयोजन की टी शर्ट, कैप को लांच करते हुए बलिया के नौजवानों का अभिनंदन किया। उन्होंने आयोजन के संरक्षक श्री रामगोविन्द चौधरी पूर्व नेता विरोधी दल को भी धन्यवाद दिया।

इस आयोजन के माध्यम से नेताजी की समाजवादी विरासत का जीवंत प्रतीक बनाने तथा युवाओं और महिलाओं को राजनीति तथा समाज सधार से जोड़ने का भी प्रयास होगा। इसके लिए समाजवादी नारों, पोस्टरों और सांस्कृतिक झलकियों के जरिये समाज में नेताजी के योगदान को दर्शाया जाएगा।

ग्रामीण व शहरी कनेक्ट के साथ पार्टी की विचारधारा को सॉफ्ट पोलिटिकल कैम्पेन के रूप में समाज तक पहुंचाया जाएगा। समाजवाद, न्याय और समवेशिता का संदेश देना भी इसका उद्देश्य है। जाति वर्ग और धर्म से परे सबको एक मंच पर लाना है।

आयोजकों का कहना है कि नेता जी के नाम पर आयोजित हाफ मैराथन केवल एक खेल आयोजन नहीं बल्कि समाजवादी मूल्यों सामाजिक न्याय, जनकल्याणकारी राजनीति का उत्सव है। इसमें शामिल होने वाले धावकों को 4 श्रेणी में बांटकर एक से छह स्थान पर आने वाले युवाओं को पुरस्कार राशि से भी सम्मानित किया जाएगा।

नेताजी मुलायम सिंह यादव हाफ मैराथन, बलिया के प्रबंधक श्री धनंजय सिंह बिसेन, सचिव मणेन्द्र मिश्रा मशाल एवं प्रदीप यादव, सह सचिव अमृतेश यादव, डॉ. भूपेन्द्र सिंह लोधी, संगठन सचिव मोहित चौधरी, संगठन सचिव सभाजीत यादव गुड्डू, कोषाध्यक्ष श्री अटल पाण्डेय कार्यक्रम की सफलता में जुटे हुए हैं।

श्री यादव अंग्रेजी भाषा को प्रशासन और जनता के बीच अलगाव पैदा करने वाली भाषा मानते थे। इस सम्बंध में वह डॉ. राममनोहर लोहिया के इस तर्क को दुहराते थे कि कोई भी प्रशासन जब जनविरोधी होता है तो सबसे पहले प्रशासन की भाषा को आम जनता की भाषा से अलग करता है। कचहरी में वकील और जज जिस भाषा में बहस करते हैं उससे मुवक्किल को पता नहीं चलता कि उसके पक्ष या विपक्ष में क्या कहा सुना जा रहा है।

शिक्षा के क्षेत्र में विदेशी भाषा के चलन से प्रतिभाएं कुंठित होती हैं। जनता के सब काम उसकी अपनी भाषा में होने चाहिए। अंग्रेजी परस्त सत्ता में बैठे बड़े लोग चाहते हैं कि उनके कामों की पोल आम जनता के बीच न खुले। समाज पर उनका शिकंजा जमा रहे।

इंदौर में 11 अगस्त 1990 को अंगेजी हटाओ सम्मेलन में श्री मुलायम सिंह यादव ने कहा था 'हमारी भाषा नीति के बारे में यह स्पष्ट हो जाना चाहिए कि हम अंग्रेजी को हटाना चाहते हैं, मिटाना नहीं। कोई दूसरे देश की भाषा सीखना चाहे तो विरोध नहीं परन्तु अंग्रेजी हमारे सार्वजनिक जीवन से हटनी चाहिए। अंग्रेजी के रहते शोषण होगा। बेईमानी और भ्रष्टाचार होगा।

श्री मुलायम सिंह यादव ने मुख्यमंत्री बनते ही 1990 से लोकसेवा आयोग की परीक्षाओं में अंग्रेजी के अनिवार्य प्रश्नपत्र की व्यवस्था को समाप्त कर दिया। अंग्रेजी से हिन्दी अनुवाद की अनिवार्यता भी समाप्त कर दी। सरकारी निगमों से भी कहा गया कि अपना कामकाज हिन्दी में करें इसके लिए उन्होंने तमाम दबावों को ठुकराया और जनभाषा के पक्ष में निर्णय कर अभूतपूर्व राजनैतिक साहस दिखाया।

सन् 1992 के 4-5 नवंबर को नेताजी मुलायम सिंह यादव ने लखनऊ में समाजवादी पार्टी की नींव डाली। अपने भाषण में मुलायम सिंह ने कहा-सिद्धांत और कार्यक्रम वाली राजनीति खत्म हो रही थी इसलिए समाजवादी पार्टी का गठन किया गया।

समाजवादी पार्टी में लोहिया जी के, डॉ. भीमराव अम्बेडकर जी के जय प्रकाश नारायण जी के और आचार्य नरेन्द्रदेव के विचारों को मानने वाले लोग इकट्ठे हैं। समाजवादी आंदोलन का बहुत लंबे संघर्षों का इतिहास है। समाजवादी आंदोलन अब उत्तर प्रदेश से लेकर कन्याकुमारी तक जाएगा। उसको कोई रोक नहीं सकता है।

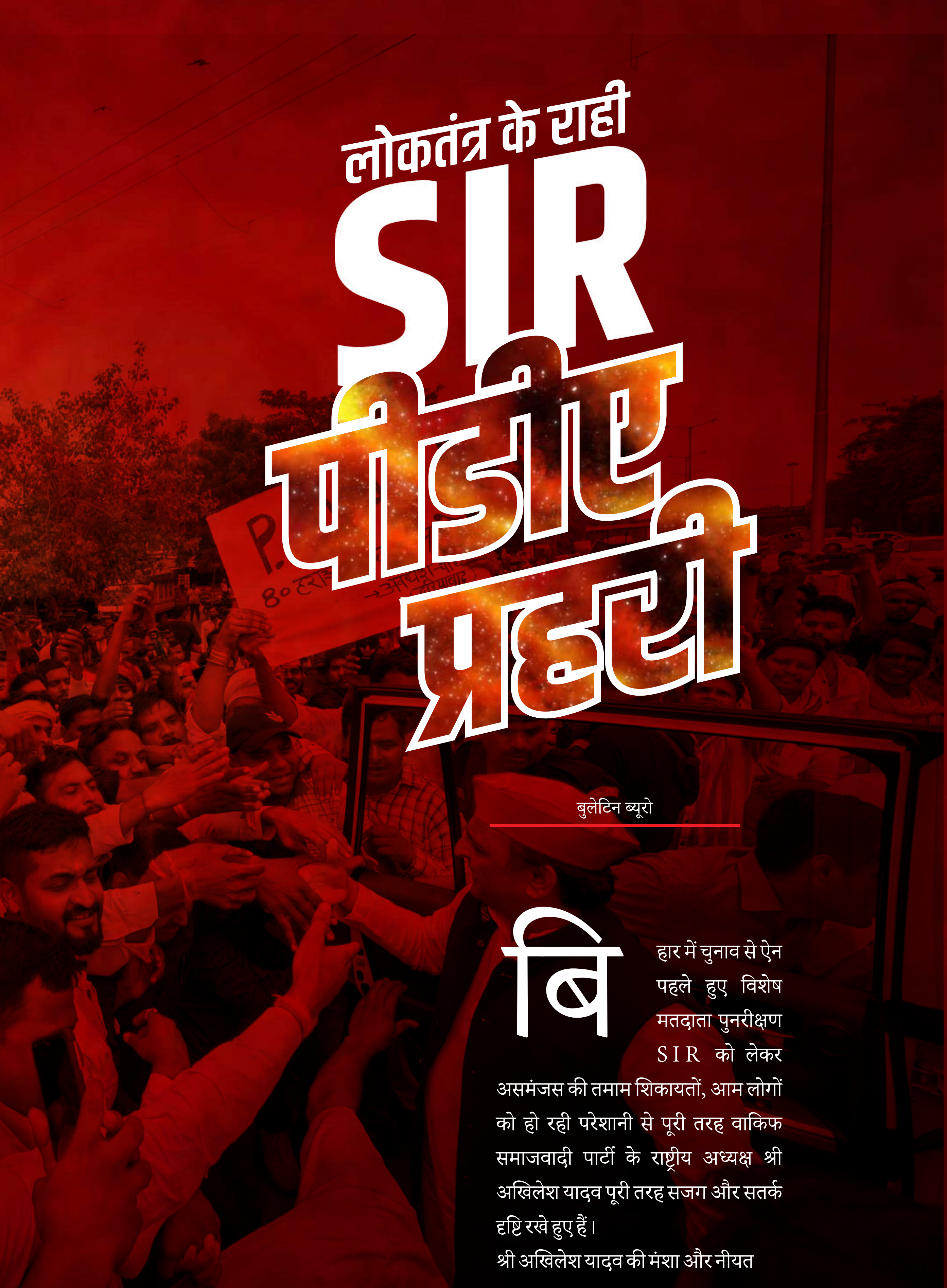

लोकतंत्र के राही SIR पीडीए प्रहरी

बुलेटिन ब्यूरो

बिहार में चुनाव से ऐन पहले हुए विशेष मतदाता पुनरीक्षण SIR को लेकर असमंजस की तमाम शिकायतों, आम लोगों को हो रही परेशानी से पूरी तरह वाकिफ समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव पूरी तरह सजग और सतर्क दृष्टि रखे हुए हैं।

श्री अखिलेश यादव की मंशा और नीयत

बिल्कुल स्पष्ट है कि लोकतंत्र को मजबूत रखने के लिए हर उस शख्स को मतदान का अधिकार मिलना ही चाहिए जो अर्ह हैं। जागरुकता या जानकारी के अभाव में कोई भी वोटर मतदाता सूची से बाहर न होने पाए इसलिए उन्होंने उत्तर प्रदेश में भी चुनाव आयोग द्वारा SIR करवाने की घोषणा के साथ ही सभी विधानसभा क्षेत्रों के बूथों पर SIR PDA प्रहरी तैनात कर दिए हैं। दरअसल ये प्रहरी लोकतंत्र की हिफाज़त करने के लिए न सिर्फ वोटरों की मदद करेंगे बल्कि SIR की प्रक्रिया के तहत फार्म भरवाने में भी उनकी सहायता करवाएंगे।

दरअसल जब से PDA मजबूत हुआ तो भाजपा PDA को कमजोर करने की साजिशों में जुट गई। उसने PDA की एकता को लोकसभा चुनाव 2024 में देखा है जिसने यूपी से भाजपा को रोका और समाजवादी पार्टी को 37 सीटें जिताकर देश की तीसरी बड़ी पार्टी बना दिया।

यहीं से भाजपा को लग गया कि PDA अब जागरुक होकर अपने अधिकारों के प्रति सचेत हो गया है इसलिए उसने तरह-तरह हथकंडे अपनाकर PDA की एकता को तोड़ने की साजिशें शुरू कर दी। पर, जब एकजुटता की आंधी चलती है तो कोई भी साजिशें कामयाब नहीं होतीं, PDA ने अब भाजपा को उखाड़ फेंकने का मन बना लिया है और 2027 में वह समाजवादी सरकार बनाकर श्री अखिलेश यादव को सत्ता सौंपने को तैयार है। सत्ता जाने के खौफ से भाजपा इस कोशिश में जुटी है कि SIR की आड़ में PDA के लोगों के नाम ही वोटर लिस्ट से गायब करा दिए जाएं।

वोटर लिस्ट से PDA के लोगों के नाम कटवाने की साजिशों में जुटी भाजपा के इस षड़यंत्र की जानकारी मिलते ही श्री अखिलेश यादव सतर्क हो गए और उन्होंने PDA के नाम वोटर लिस्ट में बचाए रखने और मानकों के दायरे में आने वाले नए नाम जोड़ने की मुहिम शुरू की और कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी सौंपते हुए उन्हें SIR PDA

प्रहरी नाम दिया जो यूपी में हो रहे SIR में प्रहरी की भूमिका निभाते हुए PDA के वोटों की रक्षा करेंगे।

उत्तर प्रदेश में 4 नवंबर से विशेष मतदाता पुनरीक्षण SIR शुरू हो चुका है और 4 दिसंबर तक चलना है। श्री अखिलेश यादव व समाजवादी पार्टी में आस्था रखने वाले निष्ठावान कार्यकर्ताओं को जैसे ही SIR PDA प्रहरी की जिम्मेदारी मिली, वे बूथों पर डट गए।

जब लक्ष्य पवित्र और लोकतंत्र व संविधान की रक्षा का हो तो समाजवादी कभी पीछे नहीं रहते। समाजवादियों ने SIR PDA प्रहरी बनकर घर-घर जाकर PDA समाज से फार्म भरवाने शुरू किए। PDA प्रहरी पर युद्धस्तर पर बूथों पर डटे हुए हैं। वे बीएलओ के साथ मिलकर उनका काम भी आसान कर रहे हैं और मतदाताओं को जागरुक करने के साथ ही आयोग के निर्देशों के अनुसार फार्म भरवाने में आने वाली मुश्किलों को दूर कर रहे हैं।

जरूरी दस्तावेज एकत्र कराने में भी ये प्रहरी बहुत कारगर साबित हो रहे हैं। भाजपा की साजिशों को रोकने में ये SIR PDA प्रहरी जुटे हुए हैं जिससे भाजपा को काफी परेशानी हो रही है। पूरे उत्तर प्रदेश से यह सूचनाएं आ रही हैं कि भाजपा के लोग PDA के मतदाताओं के नाम येन-केन-प्रकारेण कटवाने की कोशिशों में जुटे हैं। वे PDA के मतदाताओं के नाम पर कोई न कोई अड़ंगेबाजी करने में जुटे हैं मगर SIR PDA प्रहरी के सामने उनकी दाल नहीं गल पा रही है।

आम मतदाताओं को SIR PDA प्रहरी से इतनी मदद मिल रही है कि वे श्री अखिलेश यादव का तहे दिल से शुक्रिया अदा कर रहे हैं। उनका स्पष्ट तौर पर कहना है कि समाजवादी पार्टी ही उनकी हितैषी है और वह सजगता के साथ लोकतंत्र के मूल्यों को बचाने में जुटी हुई है। SIR के काम में जुटे बीएलओ भी मान रहे हैं कि SIR PDA प्रहरी से उन्हें काफी मदद मिल रही है।

SIR से डरना नहीं डटे रहना है

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने कहा है कि समाजवादी पार्टी ने पीडीए प्रहरी बनाया है। पीडीए प्रहरी बनाने का मकसद है प्रदेश में हर व्यक्ति का वोट वोटर लिस्ट में आ जाए। आम जनता और समाजवादी पार्टी का एक भी वोट न कटने पाये।

समाजवादी पार्टी ने संकल्प लिया है SIR से डरना नहीं है। डटे रहना है। समाजवादी पार्टी के लोग जितनी जिम्मेदारी से डटे रहेंगे उतना ही आम लोगों का वोट बनवा लेंगे और वोटर लिस्ट से जोड़ पायेंगे।

उन्होंने कहा कि हम SIR के लिए CCTV की तरह PPTV लगाएंगे जिससे किसी का भी वोट कटने न पाए। PPTV से हमारा सांकेतिक अर्थ ये है कि 'PP' अर्थात 'पीडीए प्रहरी' पूरी तरह से चौकन्ने और सावधान रहकर CCTV की तरह चुनाव आयोग पर निगरानी रखेंगे और SIR की हर कमी और अनियमितता पर चुनाव आयोग के साथ-साथ मीडिया और आम जनता को सूचित करेंगे। पीडीए प्रहरी का चुनाव आयोग के लिए मूल संदेश है: तू जहाँ-जहाँ चलेगा, मेरा साया साथ होगा।

समाजवादी पार्टी प्रदेश मुख्यालय पर 12 नवंबर को प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक को सम्बोधित करते हुए एवं 13 नवंबर को बरेली में एक कार्यक्रम में शामिल होने के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए श्री अखिलेश यादव ने कार्यकर्ताओं और आम जनता से अपील की कि सभी लोगों का नाम मतदाता सूची में शामिल कराएं।

किसी का भी वोट कटने न पाये। श्री यादव ने कहा कि हालांकि इस अभियान की

जिम्मेदारी चुनाव आयोग की है कि सभी लोगों का वोट बन जाए, वोटर लिस्ट से किसी का नाम न कटे।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली सरल और आसान होनी चाहिए जिससे आम लोगों को कोई परेशानी न हो क्योंकि हमारा लोकतंत्र आम लोगों की वजह से मजबूत है।

बहुत लोग गरीब हैं, उन्हें बहुत चीजों की जानकारी नहीं है लेकिन चुनाव आयोग अपना काम छोड़कर राजनीतिक दलों को परेशान करने की दिशा में काम करता है। उन्होंने कहा कि एसआईआर से डरना नहीं है। डटे रहना है।

पार्टी के कार्यकर्ता और नेता जनता के बीच जाएं। लोगों को एसआईआर के प्रति जागरूक करें। फॉर्म भरवाने में मतदाताओं की मदद करें जिससे वोटर लिस्ट ठीक की जा सके। कोई भी नाम वोटरलिस्ट में आने से छूटने न पाए।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा जानबूझ कर साजिश कर रही है, जिससे आम जनता, पार्टियां और कार्यकर्ता कन्फ्यूज रहे।

इतना कन्फ्यूज रहे कि लोग वोट बनवाने, जुड़वाने में ही व्यस्त रहें और भाजपा सरकार जिन सवालों पर असफल है जनता उन्हें न पूछ पाये। सरकार से सवाल न कर पाये। भाजपा चाहती है विपक्ष और जनता एसआईआर, बीएलओ, वोटर लिस्ट में उलझा रहे। सरकार की नाकामियों पर और किसी का ध्यान न जा पाये।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि सरकार के अधिकारी भाजपा का वोट बनवाने में लगे है। भाजपाई फ्री हैं। अधिकारी जनता को परेशान करने के लिए बैठे हैं। वे चाहते हैं कि विपक्षी दलों के समर्थकों का वोट न बनने पाये। भाजपा की साजिशों का पर्दाफाश करने के लिए, हर व्यक्ति का वोट बनवाने के लिए हमने पीडीए प्रहरी बनाया है। पीडीए प्रहरी समय-समय पर जानकारियां देंगे।

समाजवादी पार्टी चुनाव आयोग से शिकायत करेगी। अधिकारियों की कमियां उजागर करेंगे। हमें उम्मीद है। चुनाव आयोग हमारी मदद करेगा। निष्पक्ष कार्रवाई करेगा। ऐसे अधिकारी को वोट बनवाने में रुचि नहीं ले रहे हैं, राजनीतिक दलों का सहयोग नहीं कर रहे है, उनके खिलाफ कार्रवाई करे।

प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक को सम्बोधित करते हुए श्री अखिलेश यादव ने कहा कि

सौजन्य : AI

भाजपा बेईमान पार्टी है। भाजपा का चरित्र नकारात्मक है। भाजपा नकारात्मक राजनीति करती है। धोखा देती है।

भाजपा ने 2022 के विधानसभा चुनाव में बेईमानी की। मतदाताओं को वोट नहीं डालने दिया। बेईमानी की जड़ निर्वाचन आयोग में है। यह लोकतंत्र के लिए खतरनाक है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी का संकल्प भाजपा को सत्ता से हटाना है। नकारात्मक राजनीति को खत्म करना है। समाजवादी पार्टी सकारात्मक राजनीति करती है। समाजवादी पार्टी सामाजिक न्याय और हर वर्ग के उत्थान और सम्मान की पक्षधर है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि जनता समाजवादी पार्टी पर भरोसा कर रही है। जनता ने लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी को जिताया। लोकसभा चुनाव में पीडीए की जीत हुई। 2027 में एक बार फिर जीत कर प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार बनाना है।

श्री यादव ने कहा कि सभी लोगों को SIR को गंभीरता से लेना है। एक-एक वोट बनवाना है। किसी मतदाता का नाम मतदाता सूची में आने से न छूटने पाये। भाजपा भ्रष्टाचारी पार्टी है। हर स्तर पर बेईमानी करती है। भाजपा से सावधान रहना है। पार्टी के नेता और कार्यकर्ता एसआईआर पर नजर रखें।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि जनता समाजवादी पार्टी के साथ है। जनता भाजपा के जंगलराज से मुक्ति चाहती है। 2027 में प्रदेश में सत्ता परिवर्तन होना तय है। समाजवादी पार्टी की सरकार आने पर प्रदेश में सामाजिक न्याय के राज की स्थापना होगी। कानून और संविधान का राज होगा। उत्तर प्रदेश विकास की ओर अग्रसर होगा। नौजवानों को नौकरी और रोजगार मिलेगा।

बैठक में पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव श्री शिवपाल सिंह यादव, सांसद श्री नरेश उत्तम पटेल, सांसद श्री नीरज मौर्य सांसद श्री देवेश शाक्य, पूर्व नेता विरोधी दल श्री राम गोविन्द चौधरी, पूर्व कैबिनेट मंत्री श्री राजेन्द्र चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष श्री श्याम पाल पाल सहित बड़ी संख्या में प्रमुख नेता, प्रदेश पदाधिकारी और नेता मौजूद रहे।

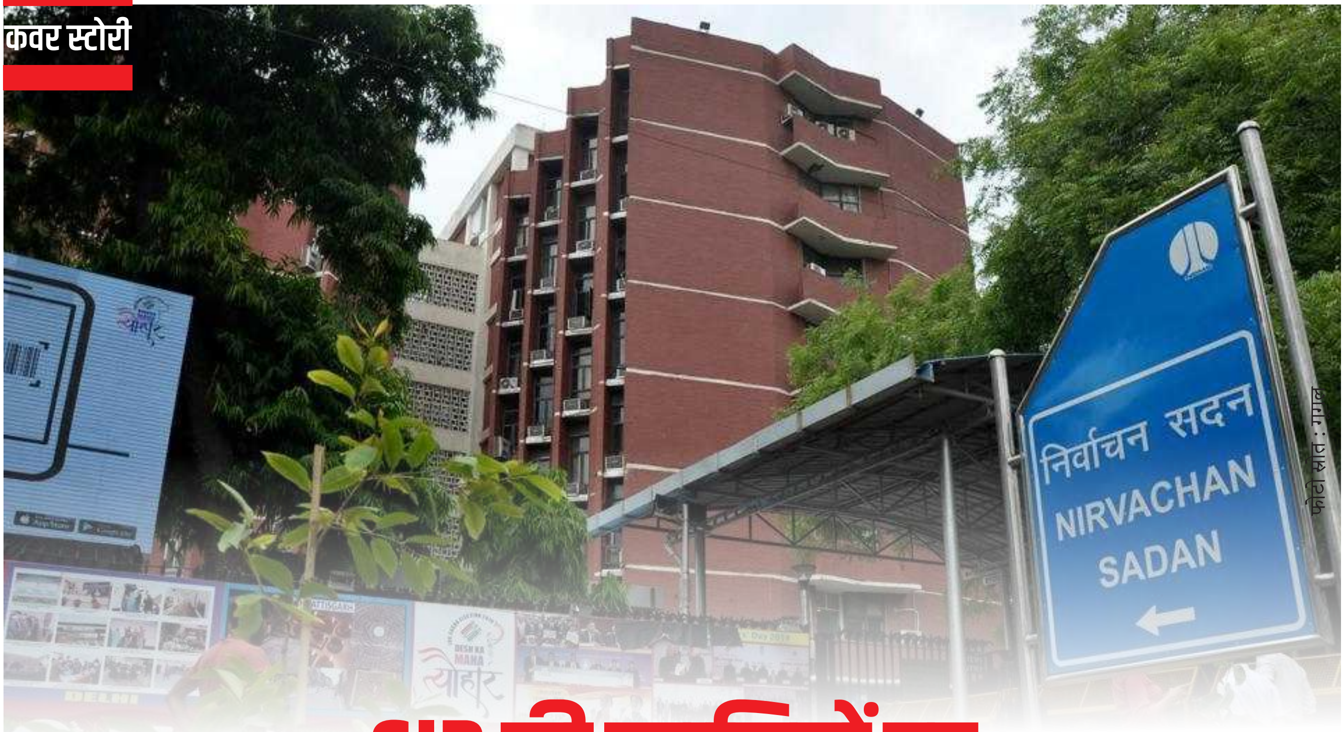

SIR की खामियों पर आयोग को आगाह कर रही सपा

बुलेटिन ब्यूरो

विशेष सघन मतदाता सूची पुनरीक्षण SIR को लेकर समाजवादी पार्टी पूरी तरह सजग और सतर्क होकर नज़र रखे हुए है। बीएलओ पर समाजवादी पार्टी की पैनी नजर है ताकि वे कोई लापरवाही या मनमानी न करने पाएं।

साथ ही समाजवादी पार्टी बीएलओ की सूची बना रही है ताकि यह देखा जा सके कि बीएलओ की तैनाती में कितनी पारदर्शिता बरती गई। SIR के अलावा विधान परिषद चुनावों के मद्देनजर बन रही वोटर लिस्ट पर भी समाजवादी पार्टी नजर रखे हुए है और खामियों पर लगातार निर्वाचन आयोग को आगाह कर रही है।

समाजवादी पार्टी की ओर से पीडीए प्रहरी भी लगातार खामियों के बारे में रिपोर्ट कर रहे हैं। जिलों व विधानसभा क्षेत्रों से समाजवादी पार्टी भी लगातार रिपोर्ट ले रही है।

28 अक्टूबर को समाजवादी पार्टी ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर मांग की हैं कि प्रदेश में 403 विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के 1 लाख 62 हजार 486 पोलिंग स्टेशनों के 15 करोड़ 44 लाख 24 मतदाताओं का SIR कराने से पूर्व जाति व धर्म के आधार पर नियुक्त किये गये बी.एल.ओ व ए.डी.एम (इलेक्शन) तथा ई.आर.ओ. को हटाकर बिना भेद-भाव सभी जाति व धर्म के लोगों को शामिल करके निष्पक्ष, पारदर्शी तरीके से नियुक्ति करके SIR कराया जाए जिससे भारत निर्वाचन आयोग की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न न लग सके।

लेकिन पोलिंग स्टेशनों पर बी.एल.ओ. तथा 403 विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में ई.आर.ओ. व सभी जनपदों में ए.डी.एम. (इलेक्शन) की नियुक्ति जाति व धर्म के आधार पर भाजपा सरकार की मानसिकता वाले अधिकारियों की हुई है। बी.एल.ओ. और अधिकारियों को नियुक्त किये जाने में भेद-भाव किया गया है।

बुर्के के बारे में हाल में जारी नए दिशानिर्देशों को लेकर 13 अक्टूबर को समाजवादी पार्टी की ओर से प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त को संबोधित ज्ञापन मुख्य निर्वाचन अधिकारी को सौंपते हुए कहा है कि मुख्य चुनाव आयुक्त का नया

निर्देश भारत निर्वाचन आयोग के नियमों के विपरीत है।

क्योंकि मतदान के दिन मतदान अधिकारी को मतदाता की आईडी यानी मतदाता पहचान पत्र की जांच करने का अधिकार दिया गया है।

समाजवादी पार्टी ने मांग की कि निर्वाचन आयोग द्वारा बुर्केवाली महिला मतदाताओं की पहचान आंगनवाड़ी सेविकाओं से कराए जाने और जांच के बाद ही बुर्केवाली महिला मतदाता को मतदान करने सम्बन्धित नये निर्देश वापस लिया जाए।

ताकि, देश में पारदर्शी, स्वतंत्र, भयमुक्त एवं निष्पक्ष चुनाव सम्पन्न हो सके। निर्वाचन आयोग ने बिहार विधान सभा चुनाव में अपने निर्देश को सख्ती से लागू करने और आगामी विधान सभा एवं लोकसभा चुनाव में भी इसे लागू करने को कहा है।

ज्ञापन में कहा गया है कि मुख्य चुनाव आयुक्त ने भारत निर्वाचन आयोग के नियमों के विपरीत जा कर नया निर्देश जारी किया है जो आयोग की निष्पक्षता और पारदर्शिता पर सवाल खड़ा कर रहा है। इस नए नियम से देश में एक विशेष सम्प्रदाय के मतदाताओं को निशाना बनाया गया है जो कि अलोकतांत्रिक और असंवैधानिक है।

पीडीए प्रहरी अभियान की शुरुआत

बुलेटिन ब्यूरो

सिद्धार्थनगर में शोहरतगढ़ विधानसभा के सेखुईया चौराहे पर 29 अक्टूबर को एसआईआर-पीडीए प्रहरी अभियान की शुरुआत की गई। प्रदेश के अन्य जनपदों में भी सपा के कार्यकर्ताओं ने अभियान की शुरुआत कर दी है।

अभियान के तहत शोहरतगढ़ विधानसभा के सभी बूथों पर एसआईआर-पीडीए प्रहरी नियुक्त किए जाने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष एवं पूर्व विधायक लालजी यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी है कि वोटर लिस्ट से नाम गलत तरीके से कटने न पाए।

इस अवसार पर श्री मणेन्द्र मिश्रा 'मशाल' ने कहा कि 2027 लोकतंत्र एवं संविधान को मजबूत करने का चुनाव है। उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव के मुख्यमंत्री बनने पर ही खेत/खलिहान में खुशहाली आएगी। 2022 के विधानसभा चुनाव में लगभग 6 लाख वोट के अंतर से ही समाजवादी सरकार नहीं बन पाई। इस बार यह गलती सुधारते हुए वोट बढ़ाना है और वोट चोरी से रोकना है।

आयोजन में सर्वश्री मुरलीधर मिश्रा पूर्व विधानसभा प्रत्याशी, जिला अध्यक्ष पिछड़ा प्रकोष्ठ अखिलेश मौर्य, सुरेन्द्र यादव प्रधान, टिकोरी यादव, अजय चौरसिया राष्ट्रीय सचिव छात्र सभा, उमेश यादव राष्ट्रीय सचिव यूथ ब्रिगेड, मंजूर खान, श्याम लाल प्रधान, महिबुल्ला,शिव रतन निषाद, मदन निषाद, रामू निषाद, राजेंद्र निषाद, दुर्गेश निषाद, धर्मेंद्र निषाद, रामफेर भारती, कमलेश, राम रतन, प्रकाश चौरसिया, जनार्दन चौहान, कपिल चौधरी, हारून खान, हनुमान जी प्रधान, सुभाष चौरसिया, श्याम लाल राजभर, कमलेश राजभर, जगदेव राजभर, मुबारक आदि उपस्थित रहे।

सरकार बनानी है तो हम सबको SIR में जुटना होगा

राजकुमार भाटी

उत्तर प्रदेश समेत देश के नौ राज्यों और तीन केन्द्रशासित प्रदेशों में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) के प्रक्रिया चार नवम्बर से प्रारम्भ हो चुकी है। यह प्रक्रिया 7 फरवरी 2026 को संपूर्ण होगी। अगले तीन महीने हर राजनीति दल के कार्यकर्ता के लिए बहुत महत्वपूर्ण साबित होने वाले हैं। जिस पार्टी के कार्यकर्ता सक्रिय और जागरूक होंगे वह पार्टी अगले चुनावों के लिए इन तीन महीनों में ही बढ़त हासिल कर लेगी।

जिस पार्टी के कार्यकर्ता निष्क्रिय होंगे वह पार्टी पिछड़ जायेगी। यदि आप 2027 में समाजवादी पार्टी की सरकार बनाना चाहते हैं और श्री अखिलेश यादव जी को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेते देखना चाहते हैं तो आपको अगले तीन महीने अपने अन्य सारे काम छोड़कर पूरा ध्यान मतदाता सूचियों के पुनरीक्षण पर केन्द्रित करना होगा।

यदि इन तीन महीनों में आपने लापरवाही कर दी तो चुनाव के समय की जाने वाली मेहनत का ज्यादा लाभ पार्टी को नहीं पहुंच पाएगा। इन तीन महीनों में चालू पहला महीना अर्थात नवम्बर का महीना सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण है।

विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया के तहत मतदाता सूचियों का नये तरीके से निर्माण होना है। पार्टी कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी है कि पुनरीक्षण की प्रक्रिया पर कड़ी नजर रखें और यह सुनिश्चित करें कि अपना एक भी वैध मतदाता, सूची में शामिल होने से न रहे। जब मैं पार्टी कार्यकर्ता लिखता हूं तो ध्यान रहे कि पार्टी का बड़े से बड़ा नेता पार्टी कार्यकर्ता है। अतः पार्टी से जुड़े हर व्यक्ति को SIR की प्रक्रिया में हिस्सा लेना है। किसी को यह गलतफहमी नहीं पालनी चाहिए कि वह तो नेता है और मतदाता सूची पर नजर रखने की जिम्मेदारी तो कार्यकर्ताओं की है। हम सब सबको मिलकर पूरी प्रक्रिया पर सजग दृष्टि रखनी है और अपने सभी लोगों के नाम मतदाता सूची में शामिल कराने हैं।

पुनरीक्षण के पहले चरण में नवंबर 2025 से 4 दिसंबर 2025 तक चुनाव आयोग द्वारा नियुक्त बीएलओ (बूथ लेवल आफीसर)

द्वारा मतदाता सूची में अंकित प्रत्येक मतदाता को एक गणना प्रपत्र उपलब्ध कराया जाएगा। मतदाता द्वारा यह प्रपत्र भरकर जरूरी दस्तावेजों के साथ चार दिसम्बर तक बीएलओ को वापस लौटाना है।

हमारी जिम्मेदारी यह है कि हम अपने-अपने बूथ के प्रत्येक मतदाता से सम्पर्क करें और यह सुनिश्चित करें कि उसे गणना प्रपत्र प्राप्त हो गया है और उसने गणना प्रपत्र को विधिवत पूरा करके अपना नया फोटो लगाकर चुनाव आयोग द्वारा निर्धारित दस्तावेज के साथ बीएलओ को लौटा दिया है। मतदाता को इस बात के लिए भी जागरूक करें कि वे गणना प्रपत्र की पावती (रसीद) बीएलओ से प्राप्त कर लें।

9 दिसंबर 2025 को मतदाता सूची के पहले ड्राफ्ट का प्रकाशन किया जाएगा। जो मतदाता 4 दिसंबर से पहले अपने गणना प्रपत्र पूरे करके बीएलओ के पास जमा कर देंगे उनका नाम मतदाता ड्राफ्ट में सम्मिलित कर लिया जाएगा। जिन वैध मतदाताओं के नाम किसी कारणवश ड्राफ्ट में शामिल होने से छूट जाएंगे उन्हें शिकायत और आपत्ति दर्ज करने के लिए एक महीने का समय मिलेगा।

ऐसे लोग 9 दिसंबर 2025 से 8 जनवरी 2026 के बीच अपने दावे प्रस्तुत कर सकेंगे। इनमें जिन व्यक्तियों के दावे उचित पाये जायेंगे उनके नाम मतदाता ड्राफ्ट में सम्मिलित किए जाएंगे। इस सारी कवायद के बाद 7 फरवरी 2026 को अन्तिम रूप से मतदाता सूचियों का प्रकाशन किया जायेगा।

विशेष गहन पुनरीक्षण (S I R) में मतदाताओं को तीन श्रेणियों में बांटा गया है। पहली श्रेणी में वे मतदाता हैं जिनका जन्म 01 जुलाई 1987 से पहले हुआ है। ऐसे मतदाताओं को गणना प्रपत्र के साथ केवल अपना एक अभिलेख उपलब्ध कराना है जिसमें जन्मतिथि और जन्म स्थान का उल्लेख हो।

दूसरी श्रेणी में वे मतदाता हैं जिनका जन्म एक जुलाई 1987 से 02 दिसंबर 2004 के बीच हुआ है। ऐसे मतदाताओं को अपने अभिलेख के साथ अपने माता अथवा पिता में से किसी एक का अभिलेख भी उपलब्ध कराना है जिसमें जन्मतिथि और जन्मस्थान का उल्लेख हो।

तीसरी श्रेणी में उन मतदाताओं को रखा गया है जिनका जन्म 02 दिसंबर 2005 के बाद हुआ है। इन मतदाताओं को अपने अभिलेख के साथ पिता और माता दोनों का एक-एक अभिलेख उपलब्ध कराना है जिसमें जन्मतिथि और जन्मस्थान का उल्लेख हो।

चुनाव आयोग ने उन 12 अभिलेखों की सूची जारी की है जिनमें से कोई एक अभिलेख आप उपयोग में ला सकते हैं:-

1 - किसी भी केन्द्र सरकार / राज्य सरकार/सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम के नियमित कर्मचारी/ पेंशन भोगी को जारी किया गया पत्र / पेंशन भुगतान आदेश

2. 01-07-1987 से पहले सरकार/स्थानीय प्राधिकरणों / बैंकों / डाकघर / एल आई सी /सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों द्वारा भारत में जारी किया गया कोई भी पहचान पत्र / प्रमाण पत्र / अभिलेख।

3. सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी जन्म प्रमाण पत्र।

4. पासपोर्ट

5. मान्यता प्राप्त बोर्ड / विश्वविद्यालयों द्वारा जारी मैट्रीकुलेशन / शैक्षणिक प्रमाण पत्र।

6. सक्षम राज्य प्राधिकारी द्वारा जारी स्थाई निवास प्रमाण पत्र।

7. वन अधिकार प्रमाण पत्र।

8. सक्षम अधिकारी द्वारा जारी ओबीसी /एससी/एसटी या कोई भी जाति प्रमाण पत्र

9. राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (जहां भी हो)

10. राज्य/स्थानीय प्राधिकारियों द्वारा तैयार किया गया परिवार रजिस्टर।

11. सरकार द्वारा जारी कोई भी भूमि/मकान आवंटन प्रमाण पत्र।

(लेखक समाजवादी पार्टी के प्रवक्ता हैं)

चुनाव आयोग का बर्ताव भाजपा के लठैत जैसा

अरविन्द मोहन
लेखक, वरिष्ठ पत्रकार

बिहार विधानसभा चुनाव में मतदान के पहले दौर से ठीक एक दिन पहले जब दिल्ली में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मीडिया के सामने हरियाणा चुनाव में हुई डरावनी धांधली का मसला उठाया गया और प्रमाणों सहित उसके कई नए पक्षों को प्रस्तुत किया गया तो जवाब देने की जगह चुनाव आयोग ने चुप्पी साध ली।

चुनाव के मौके पर 'बाहरी' विषय उठाने को अधिकांश मीडिया ने भी एक चूक जैसा माना पर प्रमाण इतने बड़े और अजीबोगरीब थे कि मीडिया को भी सुध लेनी पड़ी। नतीजतन एक लैटिन अमेरिकी माडल की तस्वीर के वोटर लिस्ट में बार बार प्रकट होने और उस नाम से मतदान होने के प्रमाणों को सामने लाना पड़ा।

भाजपा ने, जो इस बार सीधे निशाने पर थी, इसके लिए भी अपने तर्क या कुतर्क दिए लेकिन इतना साफ हो गया कि चुनाव आयोग चाहे जो कहता रहे मतदाता सूची में बड़े पैमाने पर हर-फेर हो रहा है और इन सबका रिश्ता भाजपा की जीत या चुनावी लाभ से है।

इसे मात्र संयोग नहीं मानना चाहिए कि गहन मतदाता सर्वेक्षण और करीब 65 लाख मतदाताओं का नाम काटने वाले बिहार से मतदान के बाद जो तस्वीरें आईं उन्होंने साबित किया की भाजपा के लोग किस तरह चुनाव का माखौल बना चुके हैं।

उसके दो सांसदों (एक पूर्व और एक वर्तमान) समेत दर्जन भर नेताओं और सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने मतदान के बाद सोशल मीडिया पर स्याही लगी उंगली के साथ सेल्फ़ी पोस्ट की तो उनको इस बात का भी ध्यान नहीं रहा की अभी कुछ महीने ही दिल्ली चुनाव के बाद उन्होंने इसी तरह की सेल्फ़ी डाली थी। असल में यह चूक न होकर ढिठाई का मामला है।

जिन बातों को इंडिया गठबंधन के घटक दल कांग्रेस के नेता राहुल गांधी ने वोट चोरी के प्रसंग में तीन चरणों में उठाया है उन सबसे यही साफ हो रहा है कि भाजपा अब चोरी और सीनाजोरी पर उतार आई है।

इसीलिए वह एक पते पर सैकड़ों वोट, एक आदमी के कई जगह का वोटर होने, किसी विदेशी माडल की तस्वीर पर दर्जनों वोटर कार्ड बनाने और जारी करने जैसे काम कर

रही है और इसे उठाने वाले इंडिया गठबंधन पर चुनावी हार का ठीकरा फोड़ने और इवीएम के बाद अब चुनाव आयोग को ही दोषी बताने का अपराधी या राजनैतिक नासमझ होने का आरोप लगाने लगी है।

पर हमने यह देखा है कि जब महाराष्ट्र में हेराफेरी का मसला उठा तो उस पर जितना बवाल मचा उससे कहीं ज्यादा हंगामा कर्नाटक के मसले को उठाने पर मचा क्योंकि उसमें ज्यादा प्रमाण दिए गए थे।

उसी ने बिहार की यात्रा में वोट चोरी को मुद्दा बनाया। इस बार और ज्यादा ठोस प्रमाण दिए गए हैं तो यह बेअसर नहीं हो सकता। बिहार चुनाव के नतीजे ही इसके असर को बताएंगे।

ये बात इसलिए कहनी पड़ रही है क्योंकि चुनाव आयोग ने अभी तक किसी भी आरोप का संतोषजनक जबाब नहीं दिया है। उलटे उसने प्रेस कांफ्रेंस करके विपक्ष के आरोपों के लिए विपक्षी खेमे के लिए धमकी भरी भाषा कही।

सुप्रीम कोर्ट ने भी बिहार के गहन मतदाता सर्वेक्षण को लेकर बहुत साफ आदेश तो नहीं दिए पर जो बहुत साफ निर्देश दिए उनको भी चुनाव आयोग ने लगभग दरकिनार किया और पैंसठ लाख नाम काट दिए तथा लाखों आपत्तियों के बावजूद चुनाव करा लिए।

इतना ही नहीं उसने अब ज्यादा व्यापक पैमाने पर गहन मतदाता सर्वेक्षण करने और इसकी घोषणा भी बिहार की चुनावी गहमागहमी के बीच यह करके यह साबित करने का प्रयास किया कि उसे विपक्ष, अदालत और मीडिया की चर्चा जैसी किसी चीज की परवाह नहीं है।

मीडिया भी ज्यादातर भाजपा के रंग में रंगी है और वह आयोग की हर गलती को नजरअंदाज करती है या भाजपा के सुर में सुर मिलाकर विपक्ष या लोकतंत्र पर डाका डालने का विरोध करने वालों की खिल्ली उड़ाती है। शासक दल के इशारे पर वह उसके लाभ के लिए कोई भी कुकर्म करने को तैयार है लेकिन इससे हमारा लोकतंत्र संकट में पड़ गया है।

हमारा चुनाव आयोग भाजपा या भारत सरकार का चुनाव आयोग न होकर भारत का चुनाव आयोग है। अगर हमारा लोकतंत्र दुनिया में सबसे बड़ा है तो यह दुनिया का सबसे ताकतवर चुनाव आयोग है।

इसकी ताकत को जब पार्टियां और दूसरे नजरअंदाज करने लगे तो टीएन शेषन और केजे राव सरीखे इसके अधिकारियों ने आयोग की ताकत का प्रदर्शन करके चीजों को पटरी पर लौटा दिया था। लेकिन भाजपा के सत्ता में आने के बाद से यह शासक दल का लठैत बन गया है। इससे हमारे लोकतंत्र का, जिसे लाने में हमारे राष्ट्रीय नायकों ने कितनी कुर्बानियां दी हैं, भविष्य खतरे में पड़ गया है।

अगर संसदीय लोकतंत्र में चुनाव गड़बड़ होंगे तो संसद, कानून और संविधान स्वत: खतरे में पड़ जाएगा। हैरानी की बात नहीं है कि आजादी की लड़ाई में अंग्रेजों का साथ देने वाला संघ और उससे बनी भाजपा के लोग जब तब संविधान बदलने और संसदीय लोकतंत्र की जगह राष्ट्रपति वाली शासन प्रणाली लाने की वकालत भी करते रहे हैं। अभी जो हाल है उसमें तो चुनाव आयोग पालकी ढोने ने वाला बनाने को तैयार लगता है।

आयोग ने बिहार में तो चुनाव घोषणा के पहले डेढ़ करोड़ महिलाओं के खाते में दस दस हजार रुपए ट्रांसफर करने जैसे फैसले से लेकर बीच चुनाव में भी मतदान को प्रभावित करने वाले की कदमों पर चुप्पी साध ली लेकिन तमिलनाडु में उसने सरकारी सहायता वाली दो योजनाओं पर रोक लगा दी जबकि वहां चुनाव दूर दूर तब नहीं हैं।

उसने मतदाता पहचान और देश की नागरिकता का सवाल में ऐसा घालमेल कर दिया है कि पश्चिम बंगाल और असम वगैरह में भूचाल आ जाएगा (वैसे आयोग ने अभी असम में गहन मतदाता सर्वेक्षण रोक रखा है)।

बिहार में भी उसने संघ और भाजपा के साथ कदमताल करते हुए घुसपैठियों का सवाल उठाया लेकिन कितने घुसपैठी मिले और उनका क्या किया जा रहा है इस सवाल पर मुंह सिल लिए हैं। नए सर्वे में वही ग्यारह दस्तावेज मांगे गए हैं और सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बावजूद आधार कार्ड को मान्य दस्तावेज घोषित नहीं किया है।

अपनी ढिठाई में भाजपा के कर्त्ता-धर्ता लोग तथा चुनाव आयोग और गलतियां करते जा रहे हैं। इससे लोकतंत्र, कानून और संविधान पर खतरा बढ़ रहा है लेकिन यह भी हो रहा है कि इनकी अनदेखी करना किसी के वश में नहीं रह जाएगा। अदालत, विपक्ष और मीडिया के साथ ही समाज का पूरा प्रबुद्ध वर्ग इसके खिलाफ उठ खड़ा हो सकता है और अगर मोदी-शाह तथा चुनाव आयोग का यही रवैया रहा तो ऐसा व्यक्त आने में ज्यादा समय नहीं लगेगा।

विपक्ष के सबसे मजबूत साथी बनकर उभरे अखिलेश

सपा मुखिया बिहार में अपने दम पर डटे रहे

बुलेटिन ब्यूरो

बिहार चुनाव में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने जिस समर्पण, निष्ठा और ईमानदारी के साथ अपने संसाधनों के बल पर पूरा योगदान दिया, वह विपक्षी दलों की एका की मिसाल बन गया है।

बिहार चुनाव में धुआंधार प्रचार करने वाले श्री अखिलेश यादव ने महागठबंधन की मजबूती के लिए जिस तरह पार्टी के संसाधनों के बल पर बिहार में ताकत झोंकी, उसने यह साफ संदेश दे दिया कि श्री अखिलेश यादव गठबंधन के प्रति कितने सजग और ईमानदार हैं।

श्री अखिलेश यादव ने बिहार की तकरीबन दो दर्जन विधानसभा सीटों पर दोनों चरणों के लिए चुनाव प्रचार ख़त्म होने तक लगातार सभाएं कीं और उसमें समाजवादी पार्टी के संसाधनों का ही इस्तेमाल किया। इतना ही नहीं समाजवादी पार्टी के कई सांसद एवं अन्य नेता सपा के संसाधनों के जरिए ही बिहार में महागठबंधन के प्रत्याशियों के लिए प्रचार में जुटे रहे।

श्री अखिलेश यादव की भूमिका ने यह साबित कर दिया कि विपक्षी एका के वह एक मजबूत साथी हैं जो भाजपा के खिलाफ डटकर खड़े हैं।

यह पहली बार नहीं हुआ है जबकि श्री

अखिलेश यादव ने विपक्षी एका की गांठ को मजबूत किया है। देश ने देखा है कि जब बिहार में एसआईआर में गड़बड़ियों को लेकर दिल्ली में प्रदर्शन हुआ तो श्री अखिलेश यादव ने इंडिया गठबंधन के उस प्रदर्शन को दिशा दी थी। बिहार चुनाव में भी श्री अखिलेश यादव ने देश के विपक्षी खेमे की राजनीति में निजी हितों पर सामूहिक दायित्व बोध का मजबूत अहसास कराया है।

यह सांप्रदायिकता के खिलाफ डटे रहने की उनकी प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है। लोकसभा चुनाव से ऐन पहले अस्तित्व में आए इंडिया गठबंधन को जब भी मजबूत करने की जरूरत पड़ी है, श्री अखिलेश यादव मजबूती के साथ खड़े रहे हैं।

यही वजह है कि राजनीति के दिग्गज श्री अखिलेश यादव के कदम को भाजपा और संघ परिवार की विचारधारा को परास्त करने कि दृढ़प्रतिज्ञ मिसाल के रूप में रेखांकित कर रहे हैं।

यह भी अपने आप में मिसाल है कि देश के तीसरे बड़े दल के रूप में स्थापित हो चुकी समाजवादी पार्टी ने बिहार चुनाव में वोटों का विभाजन रोकने के लिए कोई उम्मीदवार नहीं उतारा।

बिहार चुनाव 2025 में भी जब गठबंधन धर्म निभाने की बात आई तो श्री अखिलेश यादव ने गठबंधन के साथ मजबूती से खड़े होने का ऐलान कर दिया और उसे प्रचार के अंतिम दिन तक निभाया भी।

श्री अखिलेश की एक विशेषता यह भी है कि उन्होंने कभी भी नतीजों की परवाह नहीं की। जीत से न तो उनमें कभी अहंकार आया और हार होने पर भी कभी विचलित नहीं हुए। सामाजिक न्याय की लड़ाई को धार देने के लिए डटे रहे, अडिग रहे।

अखिलेश ने बिहार को मथा

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने बिहार चुनाव में भाजपा को परास्त करने और इंडिया गठबंधन की जीत के लिए पूरी ताकत झोंक दी। पार्टी के संसाधनों के बल पर श्री यादव ने बिना थके, बिना रुके लगातार दौरे किए।

जनसंपर्क, सभाएं, संवाद के जरिये इंडिया गठबंधन को जिताने के लिए श्री अखिलेश यादव ने ऐड़ी-चोटी का जोर लगाया। मकसद सिर्फ यही कि जन विरोधी, महंगाई, बेराेजगारी, अपराध, भ्रष्टाचार, बेईमानी, किसान विरोधी भाजपा को सत्ता से बेदखल किया जाए। खराब मौसम में भी अडिग इरादे वाले श्री अखिलेश यादव नहीं रुके और सड़क मार्ग से जनसभा स्थल तक पहुंचे।

1 नवंबर को श्री अखिलेश यादव बिहार के दरभंगा जिले के बहादुरपुर विधानसभा क्षेत्र में इंडिया गठबंधन प्रत्याशी के समर्थन में विशाल चुनावी जनसभा करने पहुंचे। यहां उनका भव्य स्वागत किया गया। पटना और आसपास के जिलों में मौसम खराब होने के कारण हेलीकॉप्टर उड़ान नहीं भर पाया। तब भी श्री अखिलेश यादव ने तय कार्यक्रम के अनुसार बहादुरपुर में जनसभा को नहीं टाला और सड़क मार्ग से वहां पहुंचे।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि बिहार का चुनाव परिणाम दिल्ली की सरकार का भविष्य तय करेगा। बिहार की जनता बिहार के साथ दिल्ली का भविष्य तय करेगी। श्री अखिलेश यादव ने पूर्णिया जिले के धमदहा विधानसभा क्षेत्र के प्रत्याशी और मधुबनी जिले के बाबू बरही विधानसभा क्षेत्र के प्रत्याशी के लिए सभाएं कीं।

2 नवंबर को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने बिहार में सराय रंजन, सीतामढ़ी, छपरा विधानसभा क्षेत्रों में तीन विशाल चुनावी जनसभाएं कीं। उन्होंने छपरा विधानसभा क्षेत्र में इंडिया गठबंधन प्रत्याशी श्री खेसारी लाल यादव के समर्थन में चुनावी जनसभाओं को संबोधित किया।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि इंडिया गठबंधन की सरकार में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे की तरह सड़क बनाएंगे। श्री तेजस्वी यादव छपरा को पटना से जोडेंगे और हम छपरा को लखनऊ से जोड़ देंगे। हम और श्री तेजस्वी यादव मिलकर यूपी और बिहार को दिल्ली से जोड़ देंगे।

3 नवंबर को श्री अखिलेश यादव ने इंडिया गठबंधन के प्रत्याशियों के पक्ष में चार विशाल चुनावी जनसभाएं कीं। पूर्वी चम्पारण के कल्यानपुर विधानसभा क्षेत्र , सिवान के रघुनाथपुर विधानसभा क्षेत्र ,महराजगंज विधानसभा क्षेत्र और कैमूर जिला के भभुआ विधानसभा क्षेत्र में विशाल चुनावी जनसभाओं को संबोधित करते हुए महागठबंधन के प्रत्याशी को भारी मतों से जिताने की अपील की। श्री अखिलेश यादव ने कहा कि इस चुनाव में महागठबंधन की सरकार बनने पर नया बिहार बनेगा।

4 नवंबर को श्री अखिलेश यादव ने इंडिया गठबंधन के प्रत्याशियों दिनारा विधानसभा, ओबरा विधानसभा और बेलागंज विधानसभा क्षेत्र के प्रत्याशी के समर्थन में विशाल चुनावी जनसभाओं को संबोधित करते हुए कहा कि बिहार में बेरोजगारी, महंगाई, भ्रष्टाचार और नौजवानों के पलायन के लिए केन्द्र और प्रदेश की भाजपा सरकार जिम्मेदार है। भाजपा झूठी, भ्रष्टाचारी और

बिहार में हुआ SIR का खेल बाकी जगह नहीं होने देंगे

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने कहा है कि बिहार में जो खेल एसआईआर (SIR) ने किया है वो पश्चिम बंगाल, तमिलनाडू, यूपी और बाक़ी जगह पर अब नहीं हो पायेगा क्योंकि इस चुनावी साज़िश का अब भंडाफोड़ हो चुका है। अब आगे हम ये खेल, इनको नहीं खेलने देंगे। सीसीटीवी की तरह हमारा' पीपी टीवी मतलब 'पीडीए प्रहरी' चौकन्ना रहकर भाजपाई मंसूबों को नाकाम करेगा।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा दल नहीं छल है। भाजपा बेईमान पार्टी है, हर स्तर पर बेईमानी करती है। भाजपा को कोई लोकलाज नहीं है। वह लोकराज को खत्म कर छल और बल से सत्ता पर कब्ज़ा बनाए रखना चाहती है।

धोखेबाज पार्टी है। भाजपा ने हर वर्ग के साथ धोखा किया है। नफरत फैलाकर सामाजिक सद्भाव खराब करती है। ओबरा विधानसभा क्षेत्र में चुनावी जनसभा में श्री अखिलेश यादव ने कहा कि सरकार बदलेगी, बिहार बदलेगा।

5 नवंबर को श्री अखिलेश यादव ने चार चुनावी जनसभाएं कीं। नवादा विधानसभा क्षेत्र, जमुई विधानसभा क्षेत्र , बांका जिला के बेलहार विधानसभा और भागलपुर के नाथनगर विधानसभा क्षेत्र से प्रत्याशी के समर्थन में सभा की।

7 नवंबर को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने दो विशाल चुनावी जनसभाएं कीं। औरंगाबाद और रोहतास जिले के नोखा विधानसभा क्षेत्र में जनसभाओं को सम्बोधित करते हुए श्री अखिलेश यादव ने इंडिया गठबंधन के लिए समर्थन मांगा।

अखिलेश को देखने की ललक

गाजीपुर और बरेली दौरा

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव 30 अक्टूबर को एक वैवाहिक समारोह में शामिल होने के लिए गाजीपुर पहुंचे तो उनके स्वागत में भारी भीड़ उमड़ पड़ी। उनकी एक झलक पाने की जनता में भरपूर ललक दिखी। श्री अखिलेश यादव ने सभी का अभिवादन स्वीकार किया। इसी तरह 13 नवंबर को बरेली के दौरे पर भी उनका जोरदार अभिनन्दन हुआ। बरेली में उन्होंने मशहूर शायर वसीम बरेलवी जी से भी मुलाकात की।

श्री यादव सपा के राष्ट्रीय महासचिव श्री शिवपाल सिंह यादव के साथ गाजीपुर के सैदपुर में सपा विधायक अंकित भारती के शुभ विवाह में पहुंचे थे। श्री अखिलेश यादव और श्री शिवपाल सिंह यादव ने श्री अंकित भारती और उनके परिवारीजनों, समर्थकों से मिलकर शादी की बधाई दी।

गाजीपुर और बरेली में पत्रकारों से बातचीत करते हुए श्री अखिलेश यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री जी और भाजपा सरकार की साख देश के साथ विदेश में भी खत्म हो चुकी है। अमेरिका के राष्ट्रपति हर रोज टिप्पणी कर रहे हैं। प्रधानमंत्री जी का मखौल उड़ा रहे हैं। अमेरिका टैरिफ लगाकर अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत कर रहा है।

वहीं केन्द्र सरकार चीन के साथ व्यापार बढ़ाकर हमारे देश की अर्थव्यवस्था को भारी नुकसान पहुंचा रही है। चीन ने हमारे बाजार पर कब्जा कर लिया है। भाजपा सरकार की गलत नीतियों ने देश की अर्थव्यवस्था को

बर्बाद कर दिया है। महंगाई, बेरोजगारी चरम पर पहुंच गयी है। किसानों को खाद, डीएपी नहीं मिल रही है।

आखिर क्या कारण है कि किसान लाइनों में लगा है लेकिन खाद नहीं मिल रही है। धान की सरकारी खरीद नहीं हो रही है। बिचौलिये फसल की लूट कर रहे हैं। किसानों को धान की सही कीमत नहीं मिल रही है। समाजवादी सरकार में हमने एक्सप्रेस-वे के किनारे मंडियां बनाईं थीं लेकिन भाजपा सरकार ने मंडियों का काम रोक दिया। मंडियां बन गयीं होतीं तो किसानों को धान, गेहूं, आलू समेत सभी फसलों का सही मूल्य मिल जाता।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि 2027 में उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार बनते ही किसानों की मदद की जायेगी। मंडी बनाई जाएगी। साथ ही नौजवानों को नौकरी, रोजगार दिया जाएगा। फौज में पक्की भर्ती का इंतजाम करेंगे।

उन्होंने कहा कि भाजपा और मुख्यमंत्री जी जनता को भाषणों में उलझाये हुए हैं। उत्तर प्रदेश में निवेश नहीं आ रहा है। निवेश भाजपा शासित राज्यों में जा रहा है। भाजपा झगड़ा लगाने वाली पार्टी है। समाज को धर्म और जाति में लड़ाने का काम करती है। अब तो भाजपा के इंजन खुद ही एक दूसरे से टकरा रहे हैं।

मतदाता सूची के एसआईआर को लेकर श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा एसआईआर में घोटाला करना चाहती है। उत्तर प्रदेश में कहीं भी बीएलओ पीडीए के नहीं हैं। उत्तर प्रदेश में पीडीए मतदाताओं की संख्या सबसे ज्यादा है लेकिन उनके बीएलओ नहीं हैं।

भाजपा सरकार ने जाति-धर्म के आधार पर भेदभाव करके बीएलओ बनाए हैं। चुनाव में अधिकारियों की पोस्टिंग में भेदभाव होता है। भाजपा पीडीए से घबराकर तमाम तरह का षड़यंत्र कर रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा कुछ भी कर ले पीडीए का मुकाबला नहीं कर पाएगी। उन्होंने कहा कि इस सरकार से पीड़ित, दुःखी अपमानित लोग भाजपा की सत्ता से उखाड़ फेंकेंगे। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी इंडिया गठबंधन

ने लोकसभा के अंदर और बिहार समेत अन्य जगहों पर एसआईआर मे घपले के खिलाफ आवाज उठायी। सुप्रीमकोर्ट के निर्देशों से एसआईआर की प्रक्रिया में थोड़ा सुधार आया है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि चुनाव आयोग की जिम्मेदारी है वोटरलिस्ट ठीक रखना, वोटरलिस्ट में सभी पात्र मतदाताओं का वोट शामिल रहे। सभी मतदाताओं का वोट पड़ जाए लेकिन चुनाव आयोग निष्पक्ष कार्यवाही नहीं करता है।

उत्तर प्रदेश का कोई भी उपचुनाव देख लिया जाए, विधानसभा चुनाव देख लिया जाए, चुनाव आयोग भेदभाव करता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बयानों पर श्री अखिलेश यादव ने कहा कि कपड़े पहनने से कोई योगी नहीं बन जाता है। लोकभाषा और व्यवहार से योगी बनते हैं।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि लगातार बढ़ती महंगाई से खेती की लागत बढ़ गयी है। खाद, बीज, बिजली, मजदूरी सब कुछ बढ़ गयी है लेकिन महंगाई के हिसाब से गन्ने का मूल्य नहीं बढ़ाया गया है। नया पेराई सत्र आ गया है लेकिन चीनी मिलों पर अभी पिछली पेराई का बकाया है। किसान परेशान है।

पिछले कई सालों से गन्ने का मूल्य नहीं बढ़ा। गन्ने का जो मूल्य बढ़ाया गया है वह महंगाई और लागत मूल्य के हिसाब से नाकाफी है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार खेती से जुड़ी चीजों का दाम बढ़ाकर किसानों की जेब काट रही है।

सैंथवार-मल्ल समाज बनाएगा PDA सरकार

बुलेटिन ब्यूरो

सैंथवार व मल्ल समाज ने संकल्प लिया है कि वे 2027 में यूपी में श्री अखिलेश यादव के नेतृत्व में पीडीए सरकार बनवाएंगे और समाज अभी से इसके लिए जुट जाएगा। सैंथवार व मल्ल समाज का मानना है कि बिना समाजवादी सरकार बने, सामाजिक न्याय की स्थापना नहीं हो सकती।

15 अक्टूबर को समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय में बड़ी संख्या में जुटे सैंथवार, मल्ल और पीडीए समाज ने एक बैठक में यह संकल्प लिया। बैठक का आयोजन अजय कुमार पिंटू सिंह सैंथवार ने किया जबकि संचालन श्री किसान सिंह सैंथवार ने किया। बैठक में बतौर मुख्य अतिथि मौजूद रहे समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने बड़ी संख्या में आए सैंथवार समाज के लोगों का अभिनंदन करते हुए उन्हें भरोसा दिलाया कि समाजवादी

पार्टी और समाजवादी सरकार में उनके साथ न्याय किया जाएगा। राजनीतिक भागीदारी दी जाएगी। सैंथवार समाज को सम्मान दिया जाएगा। गोरखपुर के साथ ही लखनऊ में गोमती रिवरफ्रंट पर स्व केदार नाथ सिंह की प्रतिमा लगाई जाएगी।

बैठक को संबोधित करते हुए श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सच्चाई छुपाती है। जनता से सच्चाई छिपाना भी धोखा है। भाजपा ने शिक्षा के क्षेत्र में गरीबों के साथ धोखा किया है। किसानों से छल किया है। भाजपा स्वदेशी की बात तो करती है पर वह मुख से स्वदेशी और मन से विदेशी है। भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, महंगाई और लूट से मुक्ति के लिए भाजपा को सत्ता से हटाने के लिए जनता तैयार बैठी है। सन् 2027 में भाजपा जाएगी, समाजवादी पार्टी की सरकार बनेगी।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि उन्हें खुशी है कि बड़ी संख्या में सैंथवार समाज के लोगों ने यहां आकर सहयोग और समर्थन दिया है। सैंथवार समाज के वक्ताओं ने कहा कि भाजपा ने उनके समाज को हमेशा धोखा दिया है। उसकी अब साख नहीं बची है। केवल सैंथवार समाज ही नहीं सभी के साथ विश्वासघात किया है। वक्ताओं ने कहा कि सैंथवार समाज के नेता स्व केदारनाथ सिंह और सैंथवार समाज का समाजवादी पार्टी ने हमेशा सम्मान किया था।

मंडल कमीशन रिपोर्ट लागू करने के लिए नेताजी ने संघर्ष करने के साथ जेल भरो आंदोलन चलाया था। भाजपा ने आरक्षण पर डाका डाला है लेकिन सैंथवार समाज को अखिलेश यादव जी से बहुत उम्मीदें हैं।

बैठक में सर्वश्री राजेन्द्र चौधरी पूर्व कैबिनेट मंत्री, एचटी हसन पूर्व सांसद मुरादाबाद, डॉ. दीन मोहम्मद दीन कवि, सुश्री ज्योति सिंह सैंथवार एडवोकेट, सुश्री ममता सिंह सैंथवार, कृष्ण मोहन सिंह, संजय मल पूर्व ब्लाक प्रमुख, वीरेन्द्र सैंथवार, राजेन्द्र, रामानंद चेयरमैन हाटा, राम सिंह मास्टर साहब, अजय मल, भोला सिंह, सतीश सिंह, रमेश, दिग्विजय सिंह आदि उपस्थित थे।

किसानों को खाद देने में यूपी सरकार फिसड्डी

बुलेटिन ब्यूरो

उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार में किसानों की परेशानियां कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। हर मौसम में उन्हें खाद के संकट से जूझना पड़ रहा है। लंबी कतारों में लगने के बाद भी उन्हें खाद नहीं मिल रही है।

लखीमपुर खीरी, महोबा, फतेहपुर, बदायूं, अमेठी समेत अन्य जिलों में सहकारी समितियों पर किसानों की लम्बी-लम्बी लाइनें देखी जा रही हैं। खाद की कालाबाजारी बढ़ी है और किसान परेशान-हलकान हो रहे हैं।

कई ऐसे जिले हैं जहां खाद के लिए किसानों को दिन रात कतार में लगना पड़ रहा है लेकिन मायूसी ही हाथ लग रही है। संकट से जूझ रहे किसानों की सरकार को कोई फिक्र नहीं है।

किसानों के सामने खाद को लेकर उत्पन्न संकट से समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव चिंतित हैं। श्री यादव लगातार इस ओर सरकार का ध्यान खींच रहे हैं मगर सरकार है कि सुन ही नहीं रही है।

श्री अखिलेश यादव का कहना है कि भाजपा सरकार में किसानों को लगातार खाद संकट से जूझना पड़ रहा है। धान के बाद अब गेंहू और अन्य फसलों की बुआई के लिए खाद नहीं मिल रही है। डीएपी, एनपीके आदि अन्य उर्वरकों के लिए किसान दर-दर भटक रहे हैं।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में जबसे भाजपा सरकार आई है खाद संकट कम नहीं हो रहा है। खाद की कालाबाजारी और मुनाफाखोरी जारी है। इस गोरखधंधे में भाजपा के लोग शामिल हैं। सरकार के पास किसानों के लिए झूठे आश्वासन के अलावा कुछ नहीं है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार ने किसानों को बर्बाद कर दिया है। किसानों की लगातार उपेक्षा हो रही है।

सरकार किसानों के प्रति संवेदनहीन है। उन्होंने कहा कि यह किसान विरोधी सरकार है। भाजपा चाहती है कि किसान परेशान होकर खेती करना छोड़ दें जिससे भाजपा, किसानों की जमीन औने-पौने दाम पर उद्योगपतियों को दे दे। भाजपा पूरी साजिश के तहत किसानों को खेती और उनकी जमीनों से दूर कर रही है।

खेती की दुश्वारियों के कारण बड़ी संख्या में किसान खेती छोड़ने और मजदूरी करने पर विवश हैं।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि पूरे प्रदेश के किसान को पहले धान की फसल के लिए खाद नहीं मिली। कई जगह-किसानों पर लाठीचार्ज हुआ। किसान घायल हुए। अब वही स्थिति गेंहू की फसल के लिए भी है।

महोबा में हजारों किसान खाद के लिए सहकारी समितियों पर पहुंचे लेकिन सिर्फ कुछ लोगों के अलावा किसी को खाद नहीं मिली। लखीमपुर में सहकारी समितियों पर खाद नहीं पहुंची। भाजपा झूठे वादे करती है। इस सरकार ने किसानों की आय दोगुना करने के बजाय उनकी खेती-किसानी और फसलों के लिए संकट पैदा कर दिया है। सीजन-दर सीजन यही स्थिति है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा ने किसानों को परेशानी में डाला हुआ है। प्रदेश का किसान त्रस्त है। 2027 में भाजपा सत्ता से हटेगी तभी किसानों की समस्याओं का समाधान होगा। तभी किसानों को खाद और अन्य सुविधाएं मिलेंगी।

बाढ़ प्रभावित किसानों के समर्थन में उतरे समाजवादी

बुलेटिन ब्यूरो

फर्रुखाबाद (ढाईघाट) गंगा किनारे बसे फर्रुखाबाद जिले के शमशाबाद तराई क्षेत्र व कायमगंज विधानसभा के तटवर्ती गांव वाले बाढ़ से त्रस्त हैं और धरना व भूख हड़ताल कर रहे हैं मगर भाजपा सरकार उनकी परेशानी सुनने-जानने में कोई दिलचस्पी नहीं दिखा रही है।

गांव वाले हर साल बाढ़ की विभीषिका से जूझते हैं और तटबंध की मांग करते हैं मगर उनकी कोई सुनवाई नहीं हो रही है। समाजवादी पार्टी ने गांव वालों के धरना व भूख हड़ताल का समर्थन किया है।

ग्रामीणों की मांग है कि वसोला से पांचालघाट तक मजबूत तटबंध (बांध) का निर्माण कराया जाए जिससे हर वर्ष आने वाली बाढ़ से जन-जीवन की तबाही को रोका जा सके।

गांव वालों के लगातार धरना देने व भूख हड़ताल पर बैठने की सूचना पाकर समाजवादी पार्टी के प्रदेश सचिव एवं कायमगंज विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी सर्वेश अंबेडकर दर्जनों समर्थकों और पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ ग्रामीणों के बीच पहुंचे और उनकी मांगों का समर्थन किया।

ग्रामीणों ने बताया कि भाजपा सरकार की लापरवाही के कारण प्रत्येक वर्ष गंगा का पानी गांवों में घुस जाता है जिससे फसलें, घर और पशुधन सब नष्ट हो जाते हैं। धरना व भूख हड़ताल पर महिलाएं और बुजुर्ग तक बैठे हैं लेकिन प्रशासन के कानों पर जूं तक नहीं रेंग रही।

श्री सर्वेश अंबेडकर ने ग्रामीणों को बताया कि यह क्षेत्र समाजवादी सरकार में श्री अखिलेश यादव जी की प्राथमिकता में था। श्री अखिलेश जी ने शमशाबाद ढाईघाट पुल का निर्माण कराया था जिसका उद्घाटन भी हम समाजवादियों ने किया था लेकिन भाजपा सरकार आने के बाद उस कार्य को अधूरा छोड़ दिया गया।

भाजपा सरकार ने जनता की पीड़ा को पूरी तरह से अनदेखा कर दिया है। ग्रामीणों की मांगों का समर्थन करने पहुंचने वालों में पूर्व जिला महासचिव मंदीप यादव एडवोकेट, राजपाल यादव एडवोकेट, शमशाबाद नगर अध्यक्ष अरविंद यादव, किसान नेता महेंद्र सिंह यादव, अवधेश सिंह, राम कुमार सिंह राठौर, नागेंद्र सिंह, बंटी यादव (राष्ट्रीय सचिव लोहिया वाहिनी), अशोक अंबेडकर, ओमप्रकाश यादव बिहारी आदि शामिल रहे।

ओडिशा पहुंचे अखिलेश रखी PDA की नींव

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के संस्थापक नेताजी श्री मुलायम सिंह यादव की राजनीतिक विरासत को मजबूती से संभाल रहे सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने ओडिशा से नेताजी के लगाव और गहरे रिश्तों को और मजबूती देते हुए नई पहल की है।

उन्होंने ओडिशा की नौपाड़ा विधानसभा क्षेत्र के लिए हो रहे उपचुनाव में न केवल सपा का प्रत्याशी उतारा बल्कि उसके प्रचार को धार देने के लिए ओडिशा पहुंचकर जनसभा भी की। उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश में 2012 से 2017 के बीच तत्कालीन मुख्य मंत्री श्री

अखिलेश यादव की समाजवादी सरकार की ओर से चलाई गई लैपटॉप वितरण योजना को तब की ओडिशा सरकार ने अंगीकार किया था।

9 नवंबर को श्री अखिलेश यादव ओडिशा दौरे पर पहुंचे तो वहां उनका पारंपरिक तरीके से भव्य स्वागत किया गया। श्री अखिलेश यादव ने ओडिशा में नौपाड़ा विधानसभा उपचुनाव में समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी श्री रमाकांत हाती के समर्थन में विशाल चुनावी जनसभा को संबोधित किया।

सभा में श्री अखिलेश यादव ने नेताजी श्री मुलायम सिंह यादव और ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री श्री बीजू पटनायक जी के बीच गहरे सम्बंधों को याद करते हुए कहा कि आज उनके सम्बंधों की कल्पना नहीं की जा सकती है। वह राजनीति का दूसरा दौर था। आज तो जो भी भाजपा के करीब गया वह बर्बाद हो गया।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा पूरे देश में एकरंगी फैसला लेना चाहती है। उन्होंने कहा कि PDA में जो A है वह आदिवासी हैं। उनको और अल्पसंख्यकों को लेकर ही पीडीए पूरा होता है। उन्होंने कहा कि संविधान बचेगा तो आरक्षण बचेगा। सरकारी संस्थाएं प्राइवेट हाथों में जाएगी तो आरक्षण छिनेगा। पिछड़ों का हक और सम्मान नहीं मिल रहा है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा पूरे देश में एकरंगी फैसला लेना चाहती है। उन्होंने कहा कि PDA में जो A है वह आदिवासी हैं। उनको और अल्पसंख्यकों को लेकर ही पीडीए पूरा होता है। उन्होंने कहा कि संविधान बचेगा तो आरक्षण बचेगा

श्री यादव ने कहा कि जनरल या मीडिल क्लास जो पहले से आगे है उनसे हमारी कोई नाराजगी नहीं लेकिन जो आगे हैं उनसे थोड़े से पीछे तो रहें हम, लेकिन 100 किलोमीटर पीछे तो न रहें, थोड़ा बराबर तो रहें। हम आदिवासियों और अल्पसंख्यकों को उनका हक और सम्मान दिलाएंगे।

हम यहां ओडिशा में PDA का बीज बोने आए हैं। हम लोकसभा का चुनाव भी लड़ेंगे। जो माताएं, बहनें हैं उनकी लड़ाई हम दिल्ली में भी लड़ेंगे।

श्री यादव ने कहा कि ओडिशा में समर्थन लेकर भाजपा ने अपना रास्ता बना लिया। आज ओडिशा में भाजपा की सरकार है। वे कमाल के लोग हैं जो दूसरे दल का प्रत्याशी था, वही चोरी हो गया। यहां भी चोरी हो रही है। अभी तक तो हम लोग वोट की चोरी समझते थे लेकिन अब पता लगा कि पहले सरकार चोरी हो गई, अब उनके प्रत्याशी भी चोरी हो गए।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि मुझे तब खुशी हुई जब मैं मुख्यमंत्री रहते एक बार ओडिशा आया था, तब यहां के मुख्यमंत्री से मैंने लैपटॉप बांटे जाने की बात कही थी। फिर कुछ समय बाद देखा कि ओडिशा में भी लैपटॉप बांटने की खबर आई है। अखबारों में विज्ञापन छपा था काम बोलता है। हमारा काम ओडिशा में भी बोल रहा था लेकिन यहां लैपटॉप सबको नहीं मिला। हमने यूपी में सबको लैपटॉप दिया था।

अखिलेश ने मनाया खजांची का जन्मदिन, तोहफे दिए

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने हर साल की तरह इस बार भी नोटबंदी के दौरान जन्मे खजांची की 9वीं सालगिरह पर लड्डू व केक खिलाकर बहुत सारे उपहार भेंट किए। समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय लखनऊ में 9 नवंबर को खजांची का जन्मदिन मनाते हुए श्री अखिलेश यादव ने कहा कि खजांची का जन्म दिन तो वास्तव में भाजपा को मनाना चाहिए पर हम मनाते हैं। भाजपाई पीछे मुड़कर नहीं देखते। समाजवादी अपने संसाधनों पर खजांची की पढ़ाई का खर्च उठा रहे हैं। जब तक भाजपा की सरकार है, खजांची का जन्मदिन हम इसी तरह हर वर्ष मनाते रहेंगे।

पत्रकारों से बातचीत करते हुए श्री यादव ने नोटबंदी पर प्रहार करते हुए कहा कि लक्ष्य

था कालाधन वापस आएगा मगर देखने में आया कि काला धन सफेद हो गया। नोटबंदी से व्यापार डूब गया। लोगों के हाथ से पैसा निकल गया। कोविड काल की पाबंदी और जीएसटी ने अर्थव्यवस्था को चौपट कर दिया है। महंगाई बढ़ गई है। बिजली मंहगी है। मकान बनाना महंगा है। सोना महंगा हो गया। भाजपाई सोना खरीद रहे हैं। गरीब शादी में कोई चीज यहां तक कि छोटा से छोटा सामान खरीदने की स्थिति में भी नहीं है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि अमेरिका हमारे सामान पर पाबंदी लगा रहा है। सुना है कि भारत सरकार हर पाबंदी को स्वीकार करती जा रही है। टेक्सटाइल में समझौता हो गया है। उनका सामान आने से हमारे किसान और गरीब पर संकट आएगा। अर्थव्यवस्था में सुधार लाने में भाजपा की नीतियां विफल हैं। लोगों की प्रति व्यक्ति आय कहां बढ़ रही है। 80 करोड़ को मुफ्त राशन दिया जा रहा है, उनकी प्रति व्यक्ति आय क्या हुई?

श्री यादव ने कहा कि कहीं खाद उपलब्ध नहीं है। किसान की आय दुगनी कहां हुई? फसलों के लिए कीटनाशक नहीं है। सरकार झूठ का धंधा चला रही है। भावनाओं पर सरकार चल रही है। डराकर चल रही है।

उन्होंने कहा कि भाजपा अभी से वोट की बेईमानी करने पर तुल गई है। निर्वाचन आयोग की पूरी तैयारी नहीं है। भाजपा प्रशासन का दुरूपयोग करने में लगी है। ऐसे में लोकतंत्र बचाने की जिम्मेदारी बढ़ी है।

श्री यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में पीडीए को अपमानित किया जा रहा है। खांसी के सिरप का नशे में इस्तेमाल हो रहा है। इस घोटाले में भाजपा भी शामिल है। दस साल में स्मार्ट सिटी के नाम पर शहरों को भाजपा ने बर्बाद कर दिया है।

श्री अखिलेश यादव ने कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि एसआईआर अभियान में पीडीए का एक भी वोट नहीं कटना चाहिए। जब 2027 में उत्तर प्रदेश से भाजपा सरकार बाहर जाएगी तब प्रदेश में संविधान के अनुसार सरकार काम करेगी।

मजबूत नेता थे लौह पुरुष सरदार पटेल

बुलेटिन ब्यूरो

लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती 31 अक्टूबर को समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय समेत उत्तर प्रदेश के सभी जिलों के समाजवादी पार्टी कार्यालयों पर राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाई गई।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने लौह पुरुष सरदार पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। इस मौके पर पार्टी के नेताओं-कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रीय एकता, अखंडता और आंतरिक सुरक्षा में योगदान देने का संकल्प लेकर सामाजिक न्याय के राज की स्थापना और श्री अखिलेश यादव के नेतृत्व में सन् 2027 की सरकार बनाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहरायी।

समाजवादी पार्टी प्रदेश मुख्यालय पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री अखिलेश यादव ने कहा कि हम सब लोग आज लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती मना रहे हैं। सरदार पटेल ने मजबूत फैसले लेकर रियासतों को भारतीय संघ में मिलाकर देश को एक किया।

श्री यादव ने कहा की लौह पुरुष सरदार पटेल बहुत मजबूत नेता थे। उन्होंने देश की एकता अखंडता के लिए मजबूत फैसले लिए। आज हम लोग संकल्प लेते हैं कि उनके बताए रास्ते और विचारों पर चलते हुए देश और प्रदेश को मजबूत करेंगे।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि आने वाली पीढ़ी के भविष्य को बनाने के लिए समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर लौह पुरूष सरदार पटेल के नाम पर युवाओं के लिए आज की जरूरत के हिसाब से माडर्न और तकनीकी यूनिवर्सिटी बनाएंगे। उनके सम्मान में बड़ा काम किया जाएगा।

श्री यादव ने कहा कि सरदार पटेल का जो रास्ता था वही पीडीए का रास्ता है। पीडीए पीड़ा के एक सूत्र में बंधा हुआ है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार पटेल के विचारों के साथ खिलवाड़ कर रही है। भाजपा समाज में नफरत फैलाती है। साम्प्रदायिक सौहार्द खराब करती है। भाजपा की मूल पार्टी आरएसएस है।

कार्यक्रम में पूर्व सांसद श्री उदय प्रताप सिंह, पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेन्द्र चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल आदि ने लौह पुरुष सरदार पटेल के चित्र पर माल्यार्पण कर नमन किया। कार्यक्रम का संचालन श्री रितेश पटेल ने किया।

आचार्य नरेंद्र देव:समाजवादी आंदोलन के जनक

समाजवादी आंदोलन के महानायक आचार्य नरेन्द्र देव जी की 136वीं जयंती पर 31 अक्टूबर को प्रदेश मुख्यालय समेत उत्तर प्रदेश के सभी जिला कार्यालय पर कार्यक्रम आयोजित कर आचार्य नरेंद्र देव को याद किया गया। मुख्य कार्यक्रम लखनऊ में हुआ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने राजधानी लखनऊ में गोमती नदी किनारे स्थित आचार्य नरेंद्र देव के स्मारक पर पहुंचकर पुष्पांजलि कर नमन किया। इस अवसर पर आचार्य जी के परिवारीजन पौत्र श्री यशोवर्धन तथा श्रीमती मीरावर्धन मौजूद रहीं। बाद में पार्टी के राज्य मुख्यालय पर भी कार्यक्रम में आचार्य नरेंद्र देव के कृतित्व व व्यक्तित्व पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला गया।

आचार्य नरेंद्र देव जी के स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित करने के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए श्री अखिलेश यादव ने कहा कि आचार्य नरेंद्र देव समाजवादी आंदोलन के जनक हैं। आचार्य नरेंद्र देव जी समाजवादी विचारों के साथ-साथ बौद्ध शिक्षा और आंदोलन से भी प्रभावित थे। वह बहुत विद्वान और महान शिक्षाविद थे। वह राष्ट्र और मानवता के प्रति समर्पित थे। उन्होंने कहा कि हम संकल्प लेते हैं कि समाजवादी लोग आचार्य जी के विचारों पर चलते हुए समाजवादी आंदोलन को मजबूत करेंगे।

कार्यक्रम में पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेन्द्र चौधरी, डॉ. मधु गुप्ता, रविदास मेहरोत्रा विधायक, राजेन्द्र यादव पूर्व विधायक, डॉ. रमेश दीक्षित, वंदना मिश्रा आदि ने भी पुष्पांजलि अर्पित की।

धरती आबा बिरसा मुंडा को 150वीं जयंती पर श्रद्धांजलि

धरती आबा बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती 15 नवंबर को समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय, लखनऊ सहित प्रदेश के सभी जिलों में सादगी से मनाई गई। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव की ओर से पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेन्द्र चौधरी ने भगवान बिरसा मुंडा के चित्र पर माल्यार्पण कर नमन किया।

श्री अखिलेश यादव का मानना है कि जल, जंगल, जमीन और आदिवासी समाज की अस्मिता की लड़ाई लड़ने वाले बिरसामुंडा जी ने न केवल विदेशी शासन अपितु शोषण, अन्याय के खिलाफ भी आवाज उठाई थी। अंग्रेजों ने भूमि अधिग्रहण के नाम पर जनजातियों की पैतृक भूमि से हटाने की साजिश की थी। बिरसा मुंडा के आवाह्न पर जंगल और पहाड़ियों से अंग्रेजों के विरूद्ध विद्रोह की आग भड़क उठी थी। उनके नेतृत्व में 'उलगुलाल' यानी महानक्रांति हुई थी।

इस अवसर पर सर्वश्री व्यासजी गोंड राष्ट्रीय अध्यक्ष समाजवादी अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ, डॉ. रवि गोंड प्रदेश अध्यक्ष अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ, सोनू कन्नौजिया, आदर्श सिंह, एडवोकेट अमरजीत यादव, हरीश राणा गोंड पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष कुशीनगर, धीरजमणि थारू, भोला चौधरी, गोविन्द गोंड, रमवीर कठेरिया, प्रियेश गोंड, राणा प्रताप गोंड, मिथिलेश गोंड, आदि ने भी श्रद्धांजलि अर्पित कर नमन किया।

साफ़ और बेबाक

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

Socialist Leader of India. Chief Minister of UP (2012 - 2017)

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh
Show translation

चलो तरक़्क़ी के नये रास्ते बनाएं
नयी सोच से नया बदलाव लाएं!

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh
Show translation

भारतीय टीम को विश्व कप जीत की हार्दिक बधाई! आपने देश का सिर गर्व से ऊँचा कर दिया।
#TeamIndia #WomensWorldCup

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh
Show translation

ये जो 'नयी पीढ़ी' की छलांग है
उसकी नज़र में पूरा आसमान है

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh
Show translation

हम SIR के लिए CCTV की तरह PPTV लगाएंगे जिससे किसी का भी वोट कटने न पाए। PPTV से हमारा सांकेतिक अर्थ ये है कि 'PP' अर्थात 'पीडीए प्रहरी' पूरी तरह से चौकन्ने और सावधान रहकर CCTV की तरह चुनाव आयोग पर निगरानी रखेंगे और SIR की हर कमी और अनियमितता पर चुनाव आयोग के साथ-साथ मीडिया और आम जनता को सूचित करेंगे।

पीडीए प्रहरी का चुनाव आयोग के लिए मूल संदेश है: तू जहाँ-जहाँ चलेगा, मेरा साया साथ होगा।

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

फ़ेल सरकार!

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh
Show translation

जो ख़ुद में एकरंगी है लेकिन अपने राजनीतिक-सामाजिक तिरंगी चाल-चलन में स्वयं में 'भोगी, लोभी और ढोंगी' की तिकड़ी हैं। वो बिहार को नहीं भटका सकेंगे।

जिसने प्रदेश बदला, भेष बदला, नाम बदला वो अब बदल दिये जाएंगे और फिर कभी नहीं आयेंगे।

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh
Show translation

दिल्ली ब्लास्ट एक बेहद दुखद और गंभीर घटना है। इसकी हर पहलू से जाँच की जाए। इस ब्लास्ट से देश की राजधानी में जो भय व्याप्त हुआ है, उससे जनता को उबारने के लिए तुरंत सुरक्षा प्रबंध किये जाएं।

मृतकों के प्रति गहरी संवेदना। सभी घायलों का अच्छे से अच्छा इलाज सुनिश्चित किया जाए।

Akhilesh Yadav @yadav... · 09 Nov

'सच्चे स्वच्छ भारत' के लिए भाजपा राज में चुनाव आयोग के कुछ लोगों द्वारा फैलाया गया धांधलियों का कूड़ा हटना भी ज़रूरी है।

भाजपा और उसके संगी-साथी लोकतंत्र में नहीं लूटतंत्र में विश्वास करते हैं। इन्होंने आज़ादी के पहले से लेकर आज तक सदैव पिछले दरवाज़ेवाली, ख़ुफ़ियाखोरी का काम किया है। इन मुख़बरीजीवी लोगों की ये सेंधमारी अब खुल गयी है और जनता घपले-घोटालों को सहने की सीमा पार कर चुकी है। ये पिछले दरवाज़ेवाले अपने अगले दरवाज़े की जन-दस्तक को सुनें।

चुनाव आयोग में ईमानदार लोगों की उपेक्षा हो रही है। मिलीभगत से चुनावी गोरखधंधे में संलिप्त कुछ अधिकारियों की वजह से चुनाव आयोग की शुचिता और प्रतिष्ठा पर जो आँच आई है, उसे दूर करना ही होगा। भ्रष्टों का भंडाफोड़ लगातार जारी रखना है। दीमक की तरह लोकतंत्र को अंदर से खोखला करनेवालों के दिन अब लद गये हैं।

नयी पीढ़ी, नये भविष्य का निर्माण करेगी।

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh
Show translation

@ रायपुर, छत्तीसगढ़

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh
Show translation

ओडिशा में उपचुनाव

Following

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh
Show translation

न जाने कितनी यादें संग ले आए
जब वो आज हमारे घर पर आए!

ये जो मेलमिलाप है यही हमारी साझा विरासत है।

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh
Show translation

आज बरेली में।

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh
Show translation

जो पत्रकार सरेआम हत्या को 'डेथ' मतलब मृत्यु बताते हों,
न तो देश को उनसे कोई उम्मीद है और न ही उस दल से जिस दल के लोग हत्या को 'छुटपुट घटना' बताते हों।

नैतिकता के मायने और पैमाने न होना ही कलयुग है।

दुर्भाग्यपूर्ण!

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh
Show translation

मुबारकबाद का सिलसिला बढ़ाइए...
थोड़ा और मुस्कुराइए...
क्योंकि...
विश्व के 'खानपान के मानचित्र' पर
आ गया है अपने 'लखनऊ' का नाम
जिससे बढ़ा है हर लखनवी का मान

#UNSECO_CCG_Lucknow
#UNSECO_Creative_City_of_Gastronomy

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh
Show translation

इससे पहले वो मामला निपटाइए जिसमें आपके द्वारा विशेष काम के लिए, विशेष रूप से नियुक्त अधिकारी ने निवेश के लिए 5% प्रतिशत के रूप में एडवांस लेकर अरबों का गोरखधंधा किया था।

कुछ तो है जिसकी पर्दादारी है, कुछ तो है जिसमें हिस्सेदारी है।

सीएम योगी सिंगापुर और जापान में करेंगे रोड शो, कई मंत्री भी जाएंगे साथ; ये है मकसद

Akhilesh Yadav @yadav... · 07 Nov

पुलिस को अपराधी बनाने का काम भाजपा सरकार खुलकर कर रही है। इसीलिए अधिकारियों से ये अपील है कि वो अपराधियों की तरह बर्ताव न करें और न ही अपना और अपने परिवार का जीवन संकट में डालें। भाजपा का पुराना सिद्धांत है कि 'पहले इस्तेमाल करो, फिर बर्बाद करो' इसीलिए पहले भी कई बार समझाया जा चुका है कि फ़र्ज़ी एनकाउंटर जैसा जघन्य अपराध कभी न करें क्योंकि जब फँसेंगे तो बचाने कोई भाजपाई नहीं आयेगा। आप अपनी बिरादरी से लेकर समाज तक में बहिष्कृत कर दिये जाएंगे और आजीवन अपमान और पक्षतावे की कालकोठरी में ज़िंदगी जीने पर मजबूर होंगे।

पुलिस हित में जारी, एक सलाह हमारी!

थाने से लेकर गए और फर्जी एनकाउंटर? एक पेन ड्राइव ने खोले राज, गाजियाबाद महिला थाना प्रभारी पर मुकदमा दर्ज

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh
Show translation

जो लोग आईना देखकर आते हैं
उन्हें हर तरफ़ बंदर नज़र आते हैं
बंदर की टोली में बैठा दिये जाएं
तो अलग नज़र भी नहीं आते हैं!

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh
Show translation

कुछ चैनलों ने अपनी विश्वसनीयता खो दी है। ऐसे चैनलों पर विश्वास करना स्वयं को धोखा देने जैसा हो गया है।आज झूठ के प्रचार-प्रसार के माहौल में समाचार की दुनिया का रँग जाना बेहद चिंतनीय और निंदनीय है।

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh
Show translation

जहाँ जल के साथ-साथ निश्छल प्रेम भी मिले वहाँ सौहार्द के पंछी उड़कर आते हैं।

हिन्दुस्तान

रिकॉर्ड: इटावा में देश में सबसे ज्यादा 3289 सारस

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

Saddened to hear about the demise of Shri Gopichand Hinduja Ji.

Heartfelt condolences to his family and loved ones.

DECLARATION

उद्घोषणा

विज़न इंडिया: प्लान, डेवलप एंड एसेंट

आज भारत एक ऐसा देश बन गया है जहां लोगों को हर कदम पर मुश्किलों और संघर्षों का सामना करना पड़ रहा है। इन समस्याओं का समाधान करने के लिए, हमने एक रास्ता सोचा है - 'विज़न इंडिया' - जो हमें एक सकारात्मक, यथार्थवादी, प्रगतिशील भविष्य की ओर ले जाएगा।

'विज़न इंडिया: प्लान, डेवलप और एसेंट' एक ऐसी मुहिम है जो इनोवेशन, कोलैबोरेशन और प्रोग्रेस का प्रतीक है। 'विज़न इंडिया' के तहत देशभर में आयोजित होने वाले सम्मेलनों और सेमिनारों के माध्यम से, हमारा लक्ष्य है:

प्लान: भारत के उज्ज्वल भविष्य की कल्पना को Plan करना, महत्वपूर्ण क्षेत्रों में अवसरों और संभावनाओं की पहचान करना।

डेवलप: संवाद, साझेदारी और समाधान-आधारित तरीकों को बढ़ावा देना, जिससे हम Develop होकर जल्द ही विकसित देशों की श्रेणी में शामिल हो सकें।

एसेंट: इनोवेशन और टेक्नोलॉजी का लाभ उठाते हुए Ascent करना और अपने देश को वैश्विक नेतृत्व की ओर ले जाना।

हम आप सभी को अपने 'विज़न इंडिया: प्लान, डेवलप और एसेंट' मिशन का हिस्सा बनने के लिए आमंत्रित करते हैं, जिसमें देश के अलग-अलग शहरों में भारत की विविध क्षेत्रों की प्रतिभाएं एक साथ आएंगी। जिसकी शुरुआत बेंगलुरु से हो रही है।

हमारा उद्देश्य है सामाजिक-मानसिक सशक्तीकरण, संतुलित संवृद्धि और वास्तविक समावेशी विकास को बढ़ावा देना।

हम 'सामाजिक न्याय के राज' को स्थापित करने के लिए वचनबद्ध हैं, जिसमें समाजवादी, पंथनिरपेक्ष और लोकतांत्रिक सिद्धांतों को बरकरार रखा जाएगा।

हम न्याय, स्वतंत्रता, समानता, भाईचारे और गरिमा जैसे मूल्यों को सुरक्षित करना चाहते हैं, जिससे सभी को समान अवसर मिलें और वे आगे बढ़ सकें।

'विज़न इंडिया' के चीफ़ कॉर्डिनेटर का उत्तरदायित्व श्री राजीव राय, सपा सांसद व कोर कन्वेनर का उत्तरदायित्व श्री अभिषेक मिश्र, भूतपूर्व मंत्री उ.प्र. को सौंपा गया है।

'विज़न इंडिया' : स्टार्टअप समिट
रविवार 16 नवंबर, 2025
ताज बंगलोर, बेंगलुरु, कर्नाटक

अखिलेश यादव
राष्ट्रीय अध्यक्ष, समाजवादी पार्टी
सांसद, पूर्व मुख्यमंत्री, उ.प्र.

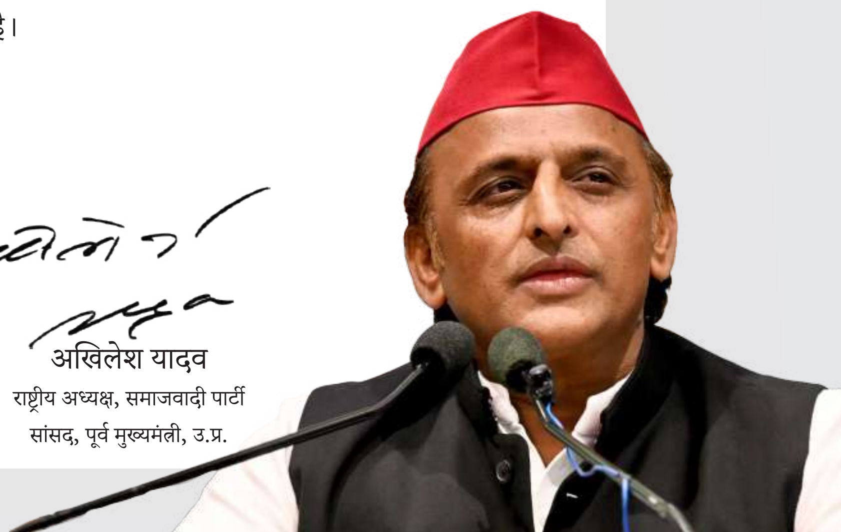

साभार: X@yadavakhilesh